www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 निराश-हताश करती नौकरशाही, कई मामलों में स्थिति जस की तस

नाटो की भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी 06

वर्ष :17 | अंक :106 | प्रयागराज , गुरूवार , 17 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

छात्र के आत्मदाह के विरोध में विपक्ष एकजुट, ओडिशा बंद का किया आह्वान

कांग्रेस सहित कम से कम आठ राजनीतिक दलों ने ओडिशा के एक छात्र की आत्मदाह के कारण हुई मौत पर ओडिशा बंद का आह्वान किया है। यह घटनाक्रम कांग्रेस और बीजू जनता दल (बीजद) कार्यकर्ताओं द्वारा भुवनेश्वर में एम्स के बाहर विरोध प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद हुआ, जहां छात्रा का शनिवार, 12 जुलाई से इलाज चल रहा था। बालासोर के फकीर मोहन स्वायत्त महाविद्यालय की 20 वर्षीय छात्रा ने पिछले हफ़्ते खुद को आग लगा ली थी। छात्रा का आरोप था कि उसके कॉलेज के एक प्रोफेसर द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। 95 प्रतिशत तक जलने के कुछ दिनों बाद, सोमवार देर रात छात्रा को मृत घोषित कर दिया गया। भुवनेश्वर स्थित एम्स के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए, पार्टियों ने राज्य सरकार पर मामले को छुपाने का आरोप लगाया और उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज को बर्खास्त करने की मांग की। बीजद नेता सुलता देव ने कहा, पोस्टमॉर्टम रात में क्यों किया गया? शव रात में इसलिए लाया गया ताकि किसी को पता न चले। उन्होंने यह भी बताया कि बीजद नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर इस मामले में हस्तक्षेप की माँग की।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त, दंगा-रोधी बंदूकें और आईईडी भी बरामद

मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) ने मंगलवार को पहाड़ी राज्य में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद किए, जो पिछले कुछ वर्षों में घातक जातीय संघर्ष का गवाह रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मणिपुर डीजीपी कार्यालय के हवाले से बताया कि संयुक्त अभियान में, बलों ने इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिले के इलाकों में ग्रेनेड, आईईडी, एके सीरीज और इंसास राइफलें, पिस्तौल, दंगा-रोधी बंदूकें और एसबीबीएल जब्त किए। 3 जुलाई की रात और 4 जुलाई की सुबह, इसी तरह के एक अभियान में, मणिपुर पुलिस ने राज्य के पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान के दौरान 200 से ज्यादा हथियार बरामद किए। ये छापे अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में शांति बहाल करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था स्थिर रहने के बीच, पुलिस ने तलाशी अभियानों में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। ये अभियान मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा शुरू की गई व्यापक कार्रवाई का हिस्सा हैं। पिछले हफ़्ते, मणिपुर पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ़्तार किया

'जेल जाएंगे असम के सीएम, नहीं बचा पाएंगे पीएम मोदी-अमित शाह'

बीजेपी और चुनाव आयोग एक साथ काम कर रहे, असम में बोले राहुल- वोटर लिस्ट से लाखों लोगों को हटाया जा रहा

आरोप

राहुल ने बुधवार को अपने दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि यहां के सीएम खुद को सीएम नहीं, बल्कि असम का राजा समझते हैं और असम के राजा 24 घंटे आपके पैसे, जमीन अंबानी या अडानी को देने में व्यस्त रहते हैं।

एजेंसी

असम। असम के चायगांव में एक भाषण में ग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर एक निर्वाचित राज्य प्रमुख के बजाय एक सम्राट की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि ग्रैंड ओल्ड पार्टी का बब्बर शेर उन्हें जेल भेज देगा। राहुल ने बुधवार को अपने दौरे के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि यहां के सीएम खुद को सीएम नहीं, बल्कि असम का राजा समझते हैं और असम के राजा 24 घंटे आपके पैसे, जमीन अंबानी या अडानी को देने में व्यस्त रहते हैं। भाजपा नीत राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए गांधी ने आगे कहा, अगर आप उन्हें टीवी पर सुनेंगे, तो उनकी आवाज में डर साफ दिखाई देगा। वो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, चिल्लाते हैं, लेकिन अगर आप टीवी पर उनका चेहरा देखें, तो उनकी आवाज में डर साफ दिखाई देगा, क्योंकि उन्हें पता है कि एक दिन कांग्रेस के शेर उन्हें जेल भेज देंगे। उन्हें पता है कि उन्होंने जो भ्रष्टाचार किया है, उसका उन्हें असम की जनता को जवाब देना होगा... कुछ समय में वो जेल जाएँगे, उन्हें कोई नहीं बचा सकता... न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही अमित शाह उन्हें बचा पाएँगे।

भाजपा के भ्रष्टचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था : राहुल

हिमंत बिस्वा सरमा ने राहुल गांधी के बयान का जवाब एक्स पर एक पोस्ट के जरिए दिया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बड़े आराम से भूल गए कि वे स्वयं देशभर में दर्ज कई आपराधिक मामलों में जमानत पर हैं। सरमा ने राहुल को तंज कसते हुए असम की मेहमाननवाजी का आनंद लीजिए। इसके साथ ही आगे उन्होंने कहा कि केवल मुझे जेल भेजने की बात कहने के लिए राहुल गांधी असम आए हैं।

राहुल गांधी के बयान पर हिमंत बिस्वा सरमा का जवाब

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के इस बयान पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी असम आते हैं और मुझे जेल भेजने की बात करते हैं लेकिन वह भूल जाते हैं कि वह खुद जमानत पर बाहर हैं. एक्स पर पोस्ट कर हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, लिख कर ले लीजिए, हिमंत बिस्वा सरमा को जेल जरूर भेजेगा- यही यह वही वादा है जो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम में कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति के साथ अपनी बंद बैठक में कहा, लेकिन हमारे नेता जी यह कितनी आसानी से भूल गए कि वे स्वयं देशभर में दर्ज कई आपराधिक मामलों में जमानत पर हैं. मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं, राहुल जी. आज के दिन असम की मेहमाननवाजी का आनंद लें.

अकबर 'क्रूर लेकिन सहिष्णु', औरंगजेब 'कट्टर धार्मिक'

एनसीईआरटी की किताब में मुगल काल की नई समीक्षा; कक्षा 8 के सिलेबस में शामिल हुआ

अकबर का शासन क्रूरता-सहिष्णुता का मिश्रण

अकबर के शासन को किताब में क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। लिखा गया है कि 1568 में चित्तौड़ के किले की घेराबंदी के दौरान अकबर ने लगभग 30,000 नागरिकों की हत्या और बचे हुए महिलाओं और बच्चों को गुलाम बनाने का आदेश दिया था।

एजेंसी

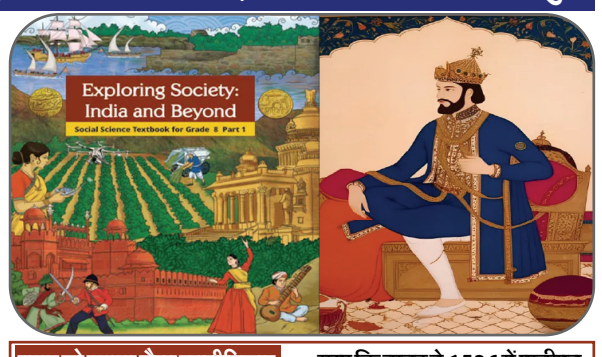

नयी दिल्ली। अकबर का शासन क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगजेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया और गैर-मुसलमानों पर टैक्स लगाया। मुगल काल की ये नई समीक्षा एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में शामिल की गई है। एनसीईआरटी कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की किताब में मुगल शासकों के धार्मिक फैसले, सांस्कृतिक योगदान और क्रूरता की नई व्याख्या की गई है। ये किताब 2025-26 एकेडमिक सेशन से ही स्कूलों में लागू होगी।

बाबर को बताया सैन्य रणनीतिकार

किताब में मुगल सल्तनत के पहले शासक बाबर को 'तुर्क-मंगोल शासक और सैन्य रणनीतिकार' लिखा गया है। इसके साथ बताया गया कि बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में बारूद और तोपखाने की मदद से इब्राहिम लोदी को हराया और दिल्ली सल्तनत का अंत कर दिया।

बाबर का बेटा हुमायूं साम्राज्य को बचाए रखने के लिए संघर्ष करता रहा और एक समय के लिए उसने शेर शाह सूरी से हारकर साम्राज्य खो भी दिया था। किताब में बताया गया है कि कैसे शेर शाह सूरी के हिंदू सेनापति हेमू को अकबर की सेना ने पकड़ा और पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद सिर कलम कर दिया।

इसकी जानकारी अकबर के इस विजय पत्र से मिली

इसके अलावा अकबर ने जजिया कर समाप्त किया, राजपूतों का स्वागत अपने दरबार में किया, और 'सुल्ह-ए-कुल' यानी सभी से शांति की नीति को बढ़ावा दिया। उसने फतेहपुर सीकरी में एक अनुवाद विभाग स्थापित किया।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में सैनिक अरेस्ट

पंजाब स्पेशल ऑपरेशन सेल ने जम्मू-कश्मीर से पकड़ा, आर्मी की जानकारी शेयर करता था

जेल से भी मंगवा लेता था जानकारी

स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने कुछ दिन पहले एक पूर्व फौजी को फिरोजपुर जेल प्रोडक्शन वांरट पर लाकर गिरफ्तारी डाली थी। जब उससे पूछताछ हुई तो उसने कबूला था कि उसकी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लोगों से संपर्क है।

एजेंसी

चंडीगढ़, पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में एक भारतीय सैन्यकर्मी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान देविंदर सिंह, निवासी गांव निहालगढ़, शादीहारी, जिला संगरूर के रूप में हुई है। उसे उरी, जिला बारामूला, जम्मू और कश्मीर से गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी पहले काबू किए गए पूर्व फौजी गुरप्रीत सिंह उर्फ फौजी से पूछताछ के आधार पर की गई। वह सेना से जुड़ी गुप्त जानकारियां आईएसआई से जुड़े लोगों को देता था।

साथ ही वह उनके साथ सेना से जुड़ी जानकारियां शेयर करता है। उसने बताया था कि वह सेना में कई जगह रहा है। जहां सेना के लोगों से अच्छे लिंक है। उनसे वह जानकारी जेल से ही मंगवा लेता है। इसके बाद अब यह अरेस्ट हुई है। इसके बाद जब जांच आगे बढ़ी तो यह गिरफ्तारी हुई है।

दोनों ट्रेनिंग में मिले, कई जगह साथ रहे है

देविंदर से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि वह और गुरप्रीत दोनों वर्ष 2017 में एक-दूसरे के संपर्क में आए थे, जब वे दोनों पुणे स्थित सेना प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण ले रहे थे और तब से एक-दूसरे को जानते हैं। उन्होंने सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में अपनी सेवा के दौरान विभिन्न सैन्य कार्यों में एक साथ काम किया है।

अदालत ने छह दिन के रिमांड पर भेजा

स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल की एआईजी रवजोत ग्रेवाल ने कहा कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। अब दोनों आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। आरोपी को आज अदालत में पेश किया गया है। अदालत ने उसे छह दिन के रिमांड पर भेजा है। उम्मीद है कि पूछताछ में और राज खुलेंगे।

पहलगाम हमले के बाद आतंकियों ने जश्न मनाया

मौके पर कई राउंड फायरिंग की; टेररिस्ट के मददगार दो स्थानीय गिरफ्तार, घर में खाना खिलाया था

एजेंसी

श्रीनगर , पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के बाद आतंकियों ने मौके पर जश्न मनाया। उन्होंने खुशी मनाते हुए हवा में कई राउंड फायरिंग की। ये खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी की जांच में हुआ है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 3 आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया। घटना के तुरंत बाद एक स्थानीय व्यक्ति ने आतंकियों को हवा में फायरिंग करते देखा। यही व्यक्ति अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी के लिए अहम गवाह बन गया है।गवाह ने बताया कि घटना के बाद जब वह बायसरन से लौट रहा था।

बंगालियों से भेदभाव पर ममता का पैदल मार्च

कहा-बीजेपी बंगाली बोलने वालों को परेशान कर रही; सुवेंदु बोले- ये अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश

ममता बोलीं- अब से ज्यादा से ज्यादा बांग्ला बोलूंगी

सीएम ममता ने कहा, 'मैं आपको (बीजेपी) चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अन्य हिस्सों में काम कर रहे हैं, उनके पास वैध पहचान दस्तावेज हैं।'

एजेंसी

कोलकाता , पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक निकाली गई। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। 'मैं बंगालियों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करूंगी। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी और विदेशी कहकर प्रताड़ित और जेल और डिटेंशन कैंप में भेजा जा रहा है। क्या बंगाल देश का हिस्सा नहीं है।'

कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं।

खराब मौसम के कारण दिल्ली में 5 फ्लाइट डायवर्ट

राजस्थान में सेल्फी लेते वक्त झरने में डूबा जेईई स्टूडेंट; प्रयागराज में सड़क पर अंतिम संस्कार

मध्य प्रदेश में 18 जिलों में तेज बारिश हो रही है। आलीराजपुर में उर नदी उफान पर है। शहडोल के बाणसागर डैम के 8 गेट खोले गए। बैतूल में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए। डिंडौरी-मंडला में तेज बारिश हुई।

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली-एनसीआर में बीते एक हफ्ते से तेज बारिश जारी है। पिछले तीन दिनों से बारिश लगातार हो रही है। बुधवार को भी तेज बारिश जारी है। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने वाली इंडिगो-एअर इंडिया की 2-2 फ्लाइट जयपुर और एअर इंडिया की 1 फ्लाइट अमृतसर डायवर्ट की गईं। राजस्थान के जयपुर में बीसलपुर बांध लगभग पूरा भर गया है। बूंदी में सेल्फी लेते वक्त खएए स्टूडेंट झरने में बह गया, 8 घंटे बाद उसकी डेडबॉडी मिली। टोंक में बुजुर्ग नदी में डूबा, करौली में भी युवक की गंभीर नदी में डूबने से मौत हुई। राज्य में 3 दिन में 20 लोगों की मौत हुई। यूपी के 20 से ज्यादा शहरों में बारिश जारी है। गंगापार-यमुनापार के कछारी इलाकों के 200 से ज्यादा गांव पर बाढ़ का खतरा है। प्रयागराज में 5 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं।

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

20 हाईकोर्ट से 8 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी; पुरुष-महिला, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग टॉयलेट्स के निर्देश

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आज सुनवाई के दौरान सभी हाईकोर्ट को रिपोर्ट पेश करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर इस बार रिपोर्ट नहीं आई तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को खुद सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होना पड़ेगा।

एजेंसी

नई दिल्ली , देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए।

टिप्पणी "क्षेत्रीयता को बढ़ावा देना सांप्रदायिकता जितना खतरनाक है"

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों पर की सख्त टिप्पणी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राजनीतिक दलों द्वारा वोट पाने के लिए क्षेत्रीयता को बढ़ावा देने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारत की एकता और अखंडता के लिए उतना ही खतरनाक है, जितना समाज में सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देना। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा, ₹क्षेत्रीय दल खुलेआम क्षेत्रीयता को बढ़ावा देते हैं और चुनावों के दौरान इसी आधार पर वोट मांगते हैं। क्या यह देश की एकता और अखंडता के खिलाफ नहीं है?₹ यह टिप्पणी उस वक्त आई जब अदालत ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का पंजीकरण रद्द करने की याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि जब कई राजनीतिक दल सांप्रदायिकता में लिप्त हैं, तब वह किसी एक पार्टी को निशाना नहीं बना सकती। हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना शिवसेना के अध्यक्ष तिरुपति नरसिंह मुरारी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का पंजीकरण रद्द करने की मांग की गई थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जो टिप्पणियां कीं हैं, वे केवल इस मामले तक सीमित नहीं हैं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और राजनीतिक व्यवस्था की गहराई से पड़ताल करने का अवसर भी देती हैं।

हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना शिवसेना के अध्यक्ष तिरुपति नरसिंह मुरारी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का पंजीकरण रद्द करने की मांग की गई थी।

हम आपको बता दें कि याचिकाकर्ता का तर्क था कि एआईएमआईएम का संविधान और उसकी गतिविधियां भारत के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ हैं। उनका कहना था कि एआईएमआईएम केवल मुस्लिम समुदाय के हित में काम कर रही है, जो संविधान के मूल स्वरूप के प्रतिकूल है। इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि एआईएमआईएम धार्मिक ग्रंथों का प्रचार-प्रसार करती है, जो राजनीतिक दलों के लिए अनुचित है। इस पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी याचिकाएं केवल किसी एक पार्टी या व्यक्ति को लक्षित करके नहीं लानी चाहिए।

न्यायालय ने कहा कि ₹आप ऐसी याचिका दाखिल करें जो किसी एक दल तक सीमित न हो। केवल सांप्रदायिकता पर ध्यान केंद्रित करना पर्याप्त नहीं है। क्षेत्रीय दल भी जाति आधारित राजनीति करते हैं और यह भी उतना ही खतरनाक है।

केंद्र की बनाई समिति के फैसले का करें इंतजार, फिल्म निर्माता को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

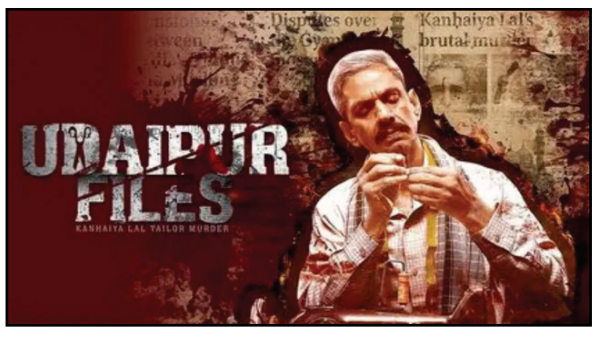

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उदयपुर फाइल्स फिल्म की रिलीज पर सुनवाई स्थगित कर दी, तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित समिति के समक्ष समीक्षा याचिका की कार्यवाही के परिणाम का इंतजार किया। अदालत इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को करेगी। समिति बुधवार को दोपहर 2.30 बजे बैठक करेगी। आरोपी मोहम्मद जावेद द्वारा बनाई गई फिल्म की रिलीज के खिलाफ आपत्ति पर भी सुनवाई करने का निर्देश दिया गया और समिति से इस मुद्दे पर तुरंत निर्णय लेने को कहा गया। अदालत ने फिल्म निमार्ताओं और पीड़िता के बेटे कन्हैया लाल को पुलिस से संपर्क करने और यदि कोई खतरा महसूस होता है तो उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की अनुमति दी है। फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित है, जिनकी कथित तौर पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी का समर्थन करने वाले एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हत्या कर दी गई थी। मामले के आठवें आरोपी मोहम्मद जावेद ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की। उन्होंने मुकदमा पूरा होने तक फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की। यह फिल्म पहले 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी।

समिति बुधवार को दोपहर 2.30 बजे बैठक करेगी। आरोपी मोहम्मद जावेद द्वारा बनाई गई फिल्म की रिलीज के खिलाफ आपत्ति पर भी सुनवाई करने का निर्देश दिया गया और समिति से इस मुद्दे पर तुरंत निर्णय लेने को कहा गया। अदालत ने फिल्म निमार्ताओं और पीड़िता के बेटे कन्हैया लाल को पुलिस से संपर्क करने और यदि कोई खतरा महसूस होता है तो उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की अनुमति दी है।

सम्पादकीय

भारतीयों को सशंकित कर रहा है चीन, लेकिन रिश्तों में सुधार की उम्मीद कम

सर्वेक्षण के साथ अंतरराष्ट्रीय मामलों में सजग भारतीयों की रुचि यह दशार्ती है कि भारत के समक्ष चुनौतियों को लेकर उनमें और खासकर युवाओं में गहरी समझ है। आने वाले समय में उनके दृष्टिकोण में कुछ बदलाव भी प्रत्यक्ष होंगे लेकिन जिस तरह की परिस्थितियां आकार ले रही हैं उसमें उनके मनोभावों को और मजबूती ही मिलेगी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका की दोबारा कमान संभालने के बाद से वैश्विक ढांचे में अस्थिरता-अनिश्चितता का भाव निरंतर बढ़ने पर है। नीति निर्माण से जुड़े उनके मनमाने एवं एकतरफा रवैये का असर अमेरिका के दोस्तों के साथ ही उसके प्रतिद्वंद्वियों पर भी समान रूप से पड़ रहा है। यूक्रेन-रूस युद्ध, पश्चिम एशिया में जारी टकराव, दक्षिण एशिया में आतंक का बढ़ता प्रकोप और चीन की आक्रामकता में हो रही वृद्धि जैसे पहलू भी अंतरराष्ट्रीय मामलों की दशा-दिशा पर अपना असर डाल रहे हैं। समय के साथ वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका भी बढ़ी है, तो वैश्विक ढांचे को नया आकार देने में भारतीयों की आकांक्षाएं भी उसी अनुपात में बढ़ रही हैं। आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन-ओरआएफ ने एक सर्वे के जरिये इन आकांक्षाओं की थाह लेने का प्रयास किया है। इसमें कुछ दिलचस्प संकेत उभरते हैं। इस बार ओरआएफ का विदेश नीति संबंधी सर्वे चीन की चुनौतियों के संदर्भ में युवा भारत के मन की थाह लेने पर केंद्रित है। आखिर देश का युवा विदेश नीति संबंधी निर्णयों एवं चुनौतियों को किस रूप में देखता है। इस सर्वे में देश के 19 शहरों में 11 भाषाओं के जरिये 18 से 35 वर्ष की आयु के पांच हजार से अधिक युवाओं से संवाद किया गया। चूंकि यह सर्वे पिछले वर्ष 22 जुलाई से 26 सितंबर के बीच हुआ, इसलिए इसमें ट्रंप के दोबारा अमेरिका की कमान संभालने के प्रभाव से लेकर पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में आपरेशन सिंदूर जैसे अभियान एवं भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव पर नजरिया सामने नहीं आ सका, लेकिन इसकी व्यापक झलक जरूर मिलती है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और उनके प्रति भारत के दृष्टिकोण को लेकर हमारा युवा वर्ग क्या सोचता-समझता है। सबसे प्रमुख पहलू तो यह उभरा कि भारत की विदेश नीति के प्रति समर्थन में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है और करीब 88 प्रतिशत उत्तरदाताओं का रवैया इसे लेकर सकारात्मक है। वर्तमान परिस्थितियों से निपटने में भारत की सफलता को लेकर यह बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। चीन को लेकर भावनाओं का आकलन करना था तो उत्तरदाताओं के बीच भी इस मुद्दे की महत्ता बखूबी महसूस हुई। 89 प्रतिशत ने माना कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इसके बाद 86 प्रतिशत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को दूसरी, जबकि 85 प्रतिशत ने पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद को तीसरी सबसे प्रमुख चुनौती के रूप में चिह्नित किया।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: करियरः आज के दिन वर्कस्पेस पर आपको नियमित गतिविधियों में अतिरिक्त प्रयास करना होगा. मानसिक तनाव रहेगा. बिजनेसः बिजनेसमैन के लिए दिन बहुत संतोषजनक नहीं दिख रहा है, सोचे गए मुनाफे प्राप्त करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ सकती है धनः आर्थिक दृष्टि से दिन मिला-जुला रहने वाला है. आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं.

वृषभ राशि : करियरः कार्यक्षेत्र पर काम का दबाव बढ़ सकता है. वर्क ओवर लोड भी रहेगा. बिजनेसः व्यापार में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं. धनः परिवार में किसी की तबीयत बिगड़ सकती है. शिक्षाः छात्रों को कल के दिन अधिक मेहनत करने की जरूरत है. लव/पारिवारिकः कोई शुभ समाचार मिल सकता है. किसी काम के प्रति मन उदास न करें.

मिथुन राशि: करियरः करियर के लिहाज से ये समय आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है. बिजनेसः बिजनेस करते समय निवेश का भी ध्यान दें. फिजूलखर्ची से बचें. धनः धन के मामले में लापरवाही न बरतें. ये समय धन का सही उपयोग करने का है. शिक्षाः पढ़ाई में मन नहीं लगेगा. अन्य कामों की ओर मन भगेगा.

कर्क राशि: करियरः काम का तनाव रहेगा. बिना-वजह की टेंशन लेने से बचें. बिजनेसः व्यापार के लिहाज से ये समय महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार मंदा पड़ सकता है. धनः धन के निवेश के लिए प्रेरित हो सकते हैं.

सिंह राशि: करियरः किसी भी तरह के निर्णय लेने से पहले घरवालों से राय जरूर लें. बिजनेसः बिजनेस के लिहाज से अच्छी डील साइन कर सकते हैं. धनः धन के साथ बचत भी ध्यान दें. ज्यादा खर्चों से बचें. शिक्षाः विद्यार्थियों के लिए उनका दिन हक में रहने वाला है.

कन्या राशि : करियरः किसी खास क्षेत्र के जानकार की राय मिल सकती है. बिजनेसः व्यापार में कल के दिन उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है. धनः घर में धन का आगमन हो सकता है. किसी पुरानी जमीन का फायदे में सौदा हो सकता है. शिक्षाः दोस्तों के साथ पढ़ने का मन बना सकते हैं.

तुला राशि : करियरः कोई भी ऐसा कम करने से बचें, जिससे करियर में बाधा आए. बिजनेसः भरोसे और समझदारी के साथ ही व्यापार में किसी के साथ साझेदारी करें. धनः धन का लाभ होगा. शिक्षाः पढ़ाई में मन नहीं लगेगा.

वृश्चिक राशि: करियरः करियर के लिहाज से ये समय आपके पक्ष में रहने वाला है. बिजनेसः पैसों के मामले में लेन-देन करते समय सावधानी बरतें. धनः किसी भी तरह का खर्चा फालतू की चीजों में करने से बचें. शिक्षाः सेहत का ध्यान दें, नहीं तो पढ़ाई पर इसका गलत प्रभाव देखने को मिलेगा.

धनु राशि : करियरः किसी भी नए काम को शुरू करने से पहले सावधानी बरतें. बिजनेसः कल के दिन व्यापार में घाटा हो सकता है. धनः पैसों के मामले में सावधानी बरतें. शिक्षाः कल के दिन छात्रों के हक में परिणाम आएगा.

मकर राशि: करियरः करियर के लिहाज से नए लोगों के साथ जुड़ने और काम करने का मौका मिल सकता है. बिजनेसः किसी ग्राहक से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. धनः निवेश के मामले में जानकारों से सलाह ले सकते हैं.

कुंभ राशि: करियरः जिस अवसर की तलाश में थे, वो अवसर मिल सकता है. बिजनेसः व्यापार में लाभ मिलेगा. धनः किसी जानकार से धन की प्राप्ति होगी. शिक्षाः पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है. लव/ पारिवारिकः पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा.

मीन राशि : करियरः कार्य में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. बिजनेसः व्यापार में मिला-जुला मुनाफा होगा. धनः धन से जुड़े मामले में फैसला आपके पक्ष में आएगा. शिक्षाः छात्रों को मेहनत करने की जरूरत है. लव/पारिवारिकः परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

निराश-हताश करती नौकरशाही, कई मामलों में स्थिति जस की तस

नौकरशाही में बगैर जरूरी सुधार लाए देश को अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जिन नेताओं और नौकरशाहों ने सरकारी तंत्र में सुधार लाने में योगदान दिया है और दे रहे हैं उनकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए लेकिन जिन्होंने योगदान नहीं दिया उनकी पहचान भी होनी चाहिए।

पा नौकरशाही के कार्य-व्यवहार को जानने के लिए चंद दिनों की कुछ चर्चित घटनाओं पर चर्चा करते हैं। कुछ दिनों पहले गुजरात में दो प्रमुख शहरों को जोड़ने वाला एक पुल गिर गया। महिसागर नदी पर बने गंभीरा पुल के दो हिस्सों में टूटने से उस पर चल रहे कई वाहन नदी में गिर गए। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच चुकी है। इस हादसे के बाद शोक संवेदना, जांच, कार्रवाई के वैसे ही स्वर सुनाई दिए, जैसे सुनाई देते रहते हैं। पुल गिरने के लिए कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इन निलंबित अधिकारियों को देर-सबेर बहाल कर दिया जाए तो बड़ी बात नहीं। यह पुल 40 साल पुराना था, लेकिन इतना पुराना पुल बहुत पुराना नहीं होता। आमतौर पर पुल सौ साल तक चल जाते हैं। देश में अंग्रेजों के बने कई पुल कायम हैं, लेकिन भारतीयों के बनाए पुल बनने के पहले ही गिर जाते हैं। गुजरात में पुल गिरने की घटना की विपक्षी दलों ने खूब निंदा-आलोचना की। उन्हें भाजपा, गुजरात सरकार और मोदी सरकार की आलोचना करने का अवसर मिला था। उन्होंने इसे अच्छे से भुनाया। ऐसा अवसर भाजपा को मिलता है तो वह भी उसे भुनाती। राजनीति में ऐसा होता ही है, लेकिन यदि नेताओं, नौकरशाहों, ठेकेदारों के भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगी तो आगे भी पुल गिरते रहेंगे। सड़कें भी टूटती-धंसती और जल भराव का शिकार होती रहेंगी। ऐसा मुंबई, बेंगलुरु और यहां तक कि राजधानी दिल्ली में भी होगा। होगा क्या, हो रहा है। थोड़ी सी बरसात में बड़े महानगरों की सड़कें भी जलमग्न हो जाती हैं। अब तो लोगों ने यह मान लिया है कि बरसात में सड़कों और यहां तक कि हाईवे में भी अतिरिक्त ट्रैफिक जाम का सामना करना उनकी नियति है। देश में न तो सड़कों और पुलों का घटिया निर्माण रुक रहा है और न ही सड़क दुर्घटनाओं में मरने एवं घायल होने वालों की संख्या में कमी आ रही है। इन दिनों जहां भी सामान्य से तनिक अधिक बारिश हो जा रही है, वहां वह मुसीबत बन जा रही है। पहाड़ों में तो ऐसा खास तौर पर हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घटने के साथ जनहानि हो जाती है तो मुआवजे की भी घोषणा कर दी जाती है, लेकिन सरकारी निर्माण में भ्रष्टाचार पर रोक के प्रभावी उपाय देखने को नहीं मिल रहे हैं। ऐसे उपाय न तो केंद्र सरकार की निर्माण परियोजनाओं में देखने को मिल रहे हैं और न ही राज्य सरकारों की परियोजनाओं में। जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार आज के भारत की एक कड़वी सच्चाई है। इस सच्चाई से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं। ऐसा नहीं है कि सरकारी निर्माण में भ्रष्टाचार केवल कुछ राज्य सरकारों अथवा केंद्र सरकार तक सीमित है। यह एक राष्ट्रीय सरकारी बीमारी है। यह सही है कि देश में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचे का सरकारी निर्माण होने के साथ निजी क्षेत्र में भी निर्माण हो रहा है, लेकिन निर्माण कार्यों के भ्रष्टाचार में सरकार और निजी क्षेत्र में कोई भेद नहीं दिखता। यदि नया बना कुछ टिकेगा ही नहीं, तो नया भारत कैसे बनेगा? देश में तेजी से बहुत कुछ बन रहा है तो वह गिर भी क्यों रहा है? इस निष्कर्ष पर भी नहीं पहुंच जाना चाहिए कि भ्रष्टाचार केवल निर्माण कार्यों में ही है। भ्रष्टाचार शासन-प्रशासन के अन्य अंगों में भी है और कहीं-कहीं तो इस हद तक है कि वह देश के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इसका एक ताजा उदाहरण उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में मिला। यहां एक कथित फकीर जलालुद्दीन उर्फ छांगुर हिंदू युवतियों को छल-बल से इस्लाम में ला रहा था। इस पीर-फकीर को विदेश से भी पैसा मिल रहा था। अपने देश में भारत के इस्लामीकरण की सनक से ग्रस्त और भी जलालुद्दीन होंगे और वे भी विदेश से पैसा पाते होंगे, लेकिन बलरामपुर के मामले में सबसे घातक बात यह है कि छांगुर को कुछ सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का भी संरक्षण प्राप्त था। यह संरक्षण केवल गुनाह ही नहीं, एक तरह से देश से गद्दारी भी है। इस मामले की जांच हो रही है और शायद उसकी तह तक भी पहुंचा जाए और सभी दोषी लोगों को समय रहते सजा भी मिल जाए। उत्तर प्रदेश के इस मामले में ऐसा होने की उम्मीद भी है, लेकिन अन्य राज्यों और विशेष रूप से सेक्युलर दलों की ओर से शासित राज्यों में तो ऐसा कुछ होने के बारे में सोचना भी कठिन है। यह हैरानी है कि अभी तक कथित सेक्युलर नेताओं और लिबरल लोगों ने यह नहीं कहा कि बेचारे छांगुर को बिना बात परेशान किया जा रहा है। यदि कोई यह कहे कि केंद्र अथवा राज्यों के स्तर पर नौकरशाही के कामकाज में कहीं कोई सुधार नहीं हुआ और सब कुछ पहले की तरह है तो यह भी सही नहीं होगा। समय के साथ राज्यों से लेकर केंद्र की नौकरशाही के स्तर पर काफी कुछ उल्लेखनीय प्रशासनिक सुधार हुए हैं और लोगों को उनसे राहत भी मिली है, लेकिन यह समझा जाए तो बेहतर कि अभी नौकरशाही में बहुत सुधार की आवश्यकता है। नौकरशाही में बगैर जरूरी सुधार लाए देश को अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। जिन नेताओं और नौकरशाहों ने सरकारी तंत्र में सुधार लाने में योगदान दिया है और दे रहे हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए, लेकिन जिन्होंने योगदान नहीं दिया, उनकी पहचान भी होनी चाहिए।

स्वास्थ्य बनाम स्वादः समोसा और जलेबी से सावधान!

ललित गर्ग

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है। मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर ह्यतेल और चीनी के चेतावनी बोर्डह्ल लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरूआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से ह्यजीरो ऑयलह्ल की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा।

मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्ल सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। फिट इंडिया अभियान में ज्यादा ईमानदारी की जरूरत है और साथ ही, शुद्ध भोजन के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों को ईमानदारी से ज्यादा सचेत एवं सावधान होना पड़ेगा। आज अनेक प्रकार के विदेशी व्यंजन भी बाजारों में उपलब्ध हैं, इनमें से ज्यादातर व्यंजनों में मैदा, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन का खतरनाक उपयोग हो रहा है।

व्यंग्य : इंपोर्टेंस चाहिए तो बीमार बने रहें

(विवेक रंजन श्रीवास्तव)

मुसद्दीलाल बीमार पड़े तो एक दम से उनकी इंपोर्टेंस बढ़ गई। हमेशा ताने मारने वाली , बेबात नाराज रहने वाली पत्नी उनकी तीमारदारी में लग गई। सुबह पलंग पर ही बिन मांगे चाय , फिर घंटे भर बाद स्प्राउट्स का हेल्दी नाश्ता मिलने लगा । उनकी कमजोरी का ख्याल कर अपने नरम कंधे का सहारा देकर बीबी उन्हें नहलाने ले जाती , रोटी के फुल्के और परवल की सब्जी का रसा एक एक निवाला खिलाती। नाते रिश्ते के लोग उनसे मिलने आते ,दोस्तों से प्यार भरे संदेश आते , ऑफिस से खड़ूस बॉस ने उन्हें गेट वेल सून के मैसेज के साथ फूलों का बुके भेजा । यह सारी खातिरदारी देख मुसद्दीलाल ने मन ही मन अपनी बीमारी के एक्सटेंशन का इरादा कर लिया। वे पलंग पर पड़े हुए बीमारी के लाभ चिंतन करते। वे सोचते यदि सब हमेशा स्वस्थ रहने लगे, तो डॉक्टरों का, दवा कंपनियों का, और ₹बीमारी सलाहकारों₹ का क्या होगा? मुसद्दीलाल बीमारी बनाये रखने की योजनाएँ बनाते , जिनसे किसी न किसी तरह, कोई न कोई रोग आपको घेरे रहेगा और आपको सबसे अटेंशन का वी आई पी स्टेटस मिलता रहेगा । मुसद्दीलाल के बीमारी के नुस्खों में पहला नुस्खा है कसरत को भूल जाइए! शरीर को जंग लगाने की सुनिश्चित तकनीक है, खाओ पियो पड़े रहो , आडे टेढ़े लेट कर मोबाइल या अखबार में घुसे रहिए। मांसपेशियाँ ढीली पड़ जाएंगी , जोड़ों में जंग जमेगी, और मोटापा आपका स्थायी साथी बन जाएगा। यकीन मानिए, ये ₹एंटी-कसरत थेरेपी हृदय रोग और डायबिटीज की गारंटी देती है !सुबह-शाम घूमना? अस्वस्थता के लिए खतरनाक प्रवृत्ति है ! विटामिन डी और ताजा हवा से बचाव कीजिए। पर्दे खींचकर, एसी चलाकर अंधेरे कमरे में दुबके रहिए। ऑस्टियोपोरोसिस और डिप्रेशन आपका स्वागत करने को तैयार बैठे मिलेंगे । प्रदूषित हवा ही बीमारी के लिए असली टॉनिक है।

पाचन तंत्र को ओवरटाइम काम पर लगाने की कला सीखनी चाहिए । व्रत रखेंगे तो पेट को आराम मिलेगा, डिटॉक्स होगा? यह नासमझी है ! जब भी मन करे, जो भी मिले चटपटा, तला-भुना, मिठाई ठूँसिए। पेट को काम में लगाए रखिए। एसिडिटी, गैस और लिवर की शिकायतें आपके सेवन की प्रशंसा में गीत गाएंगी।

सबके साथ बैठकर खाने से परिवार जनों, दोस्तों में बातचीत होती है, प्यार बढ़ता है? क्या फायदा? अकेले फोन चलाते हुए खाइए। जल्दी-जल्दी खाना निबटाइए। पत्नी के बनाए भोजन में मीन मेख निकालिए , इससे मानसिक तनाव भी मुफ्त में मिलेगा !

हँसने से एंडोर्फिन रिलीज होता है, तनाव कम होता है , ये तो स्वास्थ्य अपराध है ! गंभीर, उदास, चिड़चिड़ा चेहरा बनाए रखिए। बोरियत और निराशा को पालिए। डिप्रेशन और सोशल आइसोलेशन आपकी इस समर्पण भावना का सम्मान करेंगे, और आपको दिमागी तौर पर पंगु बनाकर ही मानेंगे। देर रात तक जागिए। सोशल मीडिया स्क्रॉल कीजिए, टेंशन लीजिए। दिन में झपकियाँ लेकर रात की नींद उड़ाइए। अनिद्रा, चिड़चिड़ापन और कमजोर इम्युनिटी , बीमार बने रहने का तिगुना लाभ पाने का यह उत्तम मार्ग है। मन की बात मन में ही दबाए रखिए। गिले-शिकवे पालिए। अकेलेपन और मनोवैज्ञानिक उलझनों को निमंत्रण दीजिए, वे खुशी-खुशी आपका आमंत्रण स्वीकार करेंगे। खुश रहने से जीवन आसान होता है, इसलिए हमेशा शिकायतें ढूंढिए। दूसरों से तुलना करके दुखी होइए। छोटी-छोटी बातों पर भड़किए। गलत जगह, गलत समय पर अपनी राय जरूर रखिए। अनावश्यक बहसों और दुश्मनियों का निर्माण करिए। यकीनन, यह आपके सिरदर्द और ब्लड प्रेशर को नया आयाम देगा। कहावत है एक अच्छा दोस्त तो पूरी की पूरी दवाई की दुकान है?

मोबाइल चोरी होते ही अकाउंट खाली

खातों की डिटेल निकाल रहे, कई घटनाओं के बाद साइबर सुरक्षा सेल ने जारी किया अलर्ट

भारत संवाद

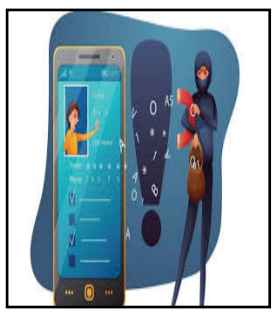

प्रयागराज, इन दिनों साइबर ठगी के कई अजीबोगरीब केस सामने आए हैं। साइबर अपराध की दुनिया में एक नया और अत्यंत खतरनाक ट्रेंड सामने आया है। मोबाइल चोरी होते ही पीड़ित के बैंक खाते से बड़ी रकम निकाल निकल जाती है। शहर और देहात क्षेत्र में ऐसे कई केस सामने आने के बाद प्रयागराज साइबर सुरक्षा की टीम ने सतर्कता अभियान शुरू किया है। इसके बाद पुलिस टीम सभी विभागों में जाकर लोगों को सतर्क और जागरूक कर रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर सुरक्षा वक्ता जय प्रकाश सिंह का कहना है कि जांच कर इस तरह की धोखाधड़ी के पीछे छिपे एक तकनीकी लूपहोल को पहचान की है। इसे मामले को आला अफसरों के संज्ञान में लाएं हैं। संबंधित अधिकारियों को ईमेल भेजकर पूरा मामला बताया गया है। वे बताते हैं कि इस धोखाधड़ी की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील है, जिसे सार्वजनिक रूप से साझा करना उचित नहीं होगा, क्योंकि इससे अपराधियों को इसका दुरुपयोग करने का रास्ता मिल सकता है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से मोबाइल चोरी किया जाता है। चोर उसमें लगी सिम निकालकर अपने फोन में डालते हैं। तकनीकी तरकीबों से वे खाते की जानकारी हासिल करते हैं और बिना ओ.टी.पी के भी पैसे ट्रांसफर कर देते हैं। प्रयागराज में भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त जवान के साथ इस तरह की घटना सामने आई है, जिसमें 1 जुलाई 2025 से 5 जुलाई 2025 के बीच 3 लाख रुपये उनके खाते से निकल गए।

श्मशान घाट डूबा, सड़क पर अंतिम संस्कार

गंगा-यमुना उफान पर, शहरी इलाकों में घुसा पानी, 200 गांव बाढ़ की चपेट में

भारत संवाद

प्रयागराज, गंगा-यमुना उफान पर हैं, बुधवार सुबह से घाटों पर पानी चढ़ गया है। नदियों के आसपास के 15 से ज्यादा मोहल्लों की 5 लाख की आबादी बाढ़ के पानी से घिर गई हैं। दारागंज के श्मशान घाट पर पानी भर गया है। अब शवों का अंतिम संस्कार दारागंज से संगम जाने वाली मोरी रोड पर किया जा रहा है। बुधवार को करीब 13 शवों का संस्कार रोड पर हुआ। अब बात उन मोहल्लों की करते हैं, जहां लोग गंगा-यमुना के पानी से घिर चुके हैं। नाग वासुकी, छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, सलोरी, नेवादा, राजापुर, दारागंज, बांगबरी गद्दी, दारागंज कछारी, शिवकुटी कछारी, करेलाबाग समेत 15 इलाके हैं। इनमें करीब 5 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। सड़कों पर पानी आने से लोगों के लिए सामान्य आवागमन दिक्कत कर रहा है। वहीं, शहर से 20 किमी के दायरे में आने वाले गंगापार और यमुनापार के कछारी इलाकों के 200 से ज्यादा गांव पर भी बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। झूंसी और अरैल के 10 गांवों के खेतों में पानी भरा है, इससे किसानों को नुकसान हो रहा है। गांवों की बसाहट करीब 2 लाख लोगों की है। प्रयागराज में शहर का बलुआ घाट बारादरी बाढ़ के पानी की वजह से डूब गया। यहां श्रद्धालुओं की रोज भीड़ होती थी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के आने पर रोक लगा दी है। इस घाट पर रोज शाम को यमुना आरती का भी आयोजन किया जाता है। बारादरी डूबने से आरती और पूजा की जगह बदली गई है। अब बरुआ बाबा मंदिर के पास से आरती और पूजन करने की व्यवस्था बनाई जा रही है। वहीं प्रशासन लगातार लोगों के बीच अलर्ट जारी कर रहा है। जबकि अभी गंगा-यमुना खतरे के निशान से काफी दूर हैं। यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 81.45 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के निशान 84.734 मीटर से लगभग 3 मीटर नीचे है। गंगा नदी भी फाफामऊ, छतनाग और बक्सी एसटीपी पर 81.83, 80.79 और 81.36 मीटर पर बह रही है। गंगा का जलस्तर फाफामऊ में सबसे ज्यादा है। लेकिन ये अभी भी खतरे के निशान से लगभग 3 मीटर नीचे है। गंगा यमुना में बाढ़ की वजह से नावों के संचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

घाटियों, पंडों को वहां से हटा दिया गया है। पंडों, पुजारियों के तख्तों को भी प्रशासन ने हटवा दिया है। जिससे कोई जनहानि न हो।

फास्ट ट्रैक

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा मोबाइल व पैसा छिनकर भागने के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 15.07.2025 को वादी रमेश गुप्ता पुत्र राम चन्द्र गुप्ता निवासी गोठौरा थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध वादी/पीडिता से रास्ता पुछने के बहाने मोबाइल व पैसा छिनकर भागने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट मु0अ0सं0-226/2025 धारा 304(2) बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना अदलहाट को अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त मुकदमें में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः16.07.2025 को उप-निरीक्षक संजय सिंह व उप निरीक्षक अभय नारायण सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्तगण 1. विनोद कुमार पुत्र सुभाष सिंह निवासी भभुआर नारायणपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर व 2. अमित विश्वकर्मा पुत्र छोटेलाल विश्वकर्मा निवासी नायारणयपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । मौके से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस तथा 2000 रुपए बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना कछवां पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के प्रयास के अभियोग से सम्बन्धित 03 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना कछवां, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 16.07.2025 को वादी सूरज सिंह पुत्र लाखन सिंह निवासी ग्राम मितई थाना कछवां जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के पिता, बड़े पिता व भाई के साथ पैसा की लेनदेन की बात को लेकर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां मु0अ0सं0-120/2025 धारा 352, 351(2), 110,115(2),3(5) बीएनएस कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना कछवां को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत उपरोक्त मुकदमें में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 16.07.2025 को उप-निरीक्षक श्रीनीवास राय व उप निरीक्षक मुनीन्द्र कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्र से घटना से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त 1. आशीष सिंह पुत्र स्व0 रामलाल, 2. विशाल पाण्डये पुत्र राम पुनीत पाण्डेय व 3. लकी पाण्डेय पुत्र विजय शंकर पाण्डेय निवासीगण हरदरा थाना कछवां जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा 72 पैकेट अवैध देशी शराब (टेट्रा पैक) के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 16.07.2025 को उप-निरीक्षक आनन्द शंकर सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत ग्राम ढेंगुहा मोड के पास से अभियुक्त जगतराम बिन्द पुत्र स्व0 मुन्नर बिन्द निवासी ग्राम कलना गहरवार थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को 72 पैकेट देशी शराब (टेट्रा पैक) के साथ गिरफ्तार किया गया ।

अब कचरा नहीं होगा बेकार, प्रयागराज ने प्रदेश के पहले बायो सीएनजी प्लांट की शुरूआत

पहले दिन नैनी के अरैल स्थित प्लांट में नगर निगम से पहुंचा 20 टन कचरा

- 153 करोड़ की लागत से बना अत्याधुनिक प्लांट, सालाना होगी 53 लाख की कमाई

भारत संवाद

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी क्षेत्र के अरैल स्थित उत्तर प्रदेश के पहले बायो-सीएनजी प्लांट का विधिवत शुभारंभ बुधवार को पूजन और हवन के साथ हो गया है। पहले ही दिन नगर निगम की ओर से 18 से 20 टन गीला कचरा, जिसमें मुख्यतः किचन और रेस्टोरेंट वेस्ट शामिल था, इस प्लांट तक पहुंचाया गया और प्रोसेसिंग शुरू हुई इस मौके पर परियोजना प्रमुख हिमांशु श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि आने वाले कुछ हफ्तों में यहां प्रतिदिन 100 टन तक गीला कचरा पहुंचने लगेगा। प्रयागराज शहर से निकलने वाला सारा गीला कचरा अब सीधे इसी प्लांट में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्लांट में नगर निगम के सहयोग से 2100 पौधे भी लगाए जाएंगे।

प्रक्रिया की शुरूआत ट्रामिल मशीन से पहली प्रक्रिया में कचरे को ट्रामिल मशीन में डाला गया, जहां उसकी छंटाई की गई और लुगदी तैयार की गई। इसके बाद इस लुगदी को विभिन्न मशीनों में प्रोसेस करते हुए बायो-सीएनजी उत्पादन के लिए तैयार किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता की विदेशी मशीनें लगाई गई हैं जो प्लांट की दक्षता को सुनिश्चित करती हैं।

नगर आयुक्त की अपील गीला-सूखा कचरा अलग करें

नगर आयुक्त श्री साईं तेजा ने बताया कि शहरवासियों से अपील की गई है कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें और डोर-टू-डोर कलेक्शन करने वाली एजेंसियों को अलग-अलग सौंपें। इसके लिए एजेंसियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए गए हैं कि गीले कचरे के अलग संग्रहण को प्राथमिकता दी जाए।

343 TPD की विशाल क्षमता, हर दिन बनेगी बायो-CNG और जैविक खाद

इस बायो-CNG प्लांट की कुल क्षमता 343 टन प्रतिदिन (TPD) है। यह प्रतिदिन लगभग 21.5 टन गैस, 109 टन ठोस जैविक खाद और 100 टन तरल जैविक खाद का उत्पादन करेगा। प्रथम चरण में 200 टन क्षमता के गीले कचरे से गैस बनाने का कार्य शुरू हो चुका है, जबकि शेष 143 टन क्षमता धान के पुआल और गोबर से गैस उत्पादन के लिए विकसित की जा रही है।

कचरे से होगी नगर निगम की कमाई, बदलेगा शहर का भविष्य

प्रयागराज नगर निगम के पर्यावरण अभियंता श्री उत्तम वर्मा जी ने बताया कि इस प्लांट से प्रतिवर्ष लगभग 53 लाख की आय अर्जित करेगा।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं

जिलाधिकारी ने फोन पर वार्ता करके जनता की समस्याओं को, संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बुधवार को कलेक्टेट परिसर के जनमिलन कक्ष में जनसुनवाई करते हुए जिले भर से आयें हुए जनसामान्य की समस्याओं को एक-एक करके सुना एवं उनके द्वारा उनके समक्ष प्रस्तुत किए गए शिकायती एवं मांग पत्रों पर प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु सम्बंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर प्रकरण से अवगत कराते हुए उनके शिकायती व मांग पत्रों को गम्भीरता से लेते हुए उस पर उचित कार्यवाही कर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित भी किया है। जिलाधिकारी प्रतिदिन की भांति बुधवार को भी जनसुनवाई में लोगो की जन-शिकायतों को सुनते हुए उनका निस्तारण कर रहे थे। जनसुनवाई के समय अपनी समस्या लेकर आयें प्रार्थी श्री कमलेश त्रिपाठी निवासी ग्राम पूरबनारा, तहसील सोरांव के द्वारा बताया गया कि उनके ग्राम पूरबनारा में स्थित जमीन के गाटा संख्या 246 के कुल रकबा 0.1780 हे0 में से 0.1430 हे0 का बैनामा यूपीडा के द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना निर्माण हेतु कराया गया था, उसी भूमि का अन्य शेष रकबा 0.350 हे0 भूमि का यूपीडा के द्वारा बैनामा कराये जाने की कार्यवाही अभी तक लम्बित है, जबकि शेष रकबा 0.350 हे0 भूमि पर भी यूपीडा के द्वारा अधिग्रहण कर उस पर निर्माण कार्य भी कर लिया गया है और प्रार्थी को अभी तक इस भूमि का भुगतान नहीं किया गया है और प्रार्थी पिछले 4 वर्षों से सम्बंधित कार्यालयों व अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है और कहीं पर कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रार्थी ने जिलाधिकारी से उपरोक्त शेष बचे रकबे का यूपीडा के द्वारा बैनामा कराते हुए भूमि का मुआवजा दिलाये जाने के लिए अनुरोध किया है, जिसपर जिलाधिकारी ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए तत्परता के साथ कार्यवाही करते हुए बैठक में उपस्थित अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे श्री संजीव कुमार शाक्य, यूपीडा एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों से वार्ताकर सम्बंधित प्रकरण पर तत्काल कार्यवाही कराते हुए अवशेष जमीन का बैनामा कराकर मुआवजे की राशि प्रार्थी को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। एडीएम नमामि गंगे के द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उपजिलाधिकारी सोरांव, भूमि अध्याप्ति अधिकारी व यूपीडा के अधिकारियों एवं अन्य सम्बंधित से वीडिओ कांफ्रेंसिंग कर सम्बंधित प्रकरण पर शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए जमीन की रजिस्ट्री कराये जाने के लिए कहा गया है।

अमृत भारत ट्रेनः आम से खास बनी आम आदमी की रेल यात्रा

भारत संवाद

एक मध्यमवर्गीय परिवार या उसका कोई एक सदस्य जब रेल यात्रा पर निकलता है तो उसके साथ सिर्फ एक बैग नहीं होता– बल्कि उसके साथ जिम्मेदारियाँ होती हैं। ऐसे लाखों यात्रियों के लिए रेल यात्रा हर रोज की जरूरत थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने समझा और अब उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल इन्हें पूरा कर रही है। अमृत भारत ट्रेन योजना न केवल रेलवे के ढांचागत सुधार का प्रतीक है, बल्कि श्रमजीवी और मध्यमवर्गीय समाज की आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर बनाई गई एक सुधारपरक एवं ऐतिहासिक पहल है। भारत की एक बड़ी आबादी के लिए हर दिन की यात्रा रोजगार, शिक्षा और जीवन की बुनियादी जरूरतों से जुड़ी है। इन वर्गों के लिए रेल यात्रा का उद्देश्य गंतव्य पर पहुँचकर आजीविका के माध्यम से आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। अमृत भारत ट्रेन इस वर्ग के लिए यात्रा का नया विकल्प है, जो सस्ती, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा की गारंटी है। इस ट्रेन में विशेष रूप से सामान्य और स्लीपर श्रेणी के आधुनिक कोच शामिल किए गए हैं, जिससे वे लोग भी तेज, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ उठा सकें।

अमृत भारत ट्रेन पहली बार देश के अंत्योदय और मध्यमवर्ग के लिए रेल यात्रा को तेज, सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक बना रही है। यह ट्रेन उस नीति, नीयत और निर्णायक क्षमता का प्रमाण है कि विकास अब केवल उच्च वर्ग या महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों, कस्बों और मेहनतकश नागरिकों तक पहुंचा है। यह ट्रेनें पूरी तरह मेक इन इंडिया तकनीक पर आधारित हैं। इनका नया संस्करण अमृत भारत 2.0 न केवल अधिक तेज (130 किमी./घंटा तक की रफ्तार) है, बल्कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी प्रदान करता है– जिनमें मोबाइल चार्जिंग पोर्ट, आरामदायक सफर के लिए एयर स्प्रिंग बॉडी, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, स्वच्छ दिव्यांगजन-अनुकूल शौचालय और सेफ़्टी के लिए फायर डिटेक्शन व टॉक-बैक यूनिट शामिल हैं। यह ट्रेन सेवा न केवल किफायती है, बल्कि इसमें सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है। सामान्य श्रेणी में भी बेहतर वेंटिलेशन, आरामदायक सीटें, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और यात्री सूचना प्रणाली जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इसका उद्देश्य लोगों को सुविधा के साथ गरिमामयी यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

मीरजापुर , मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए चुनार से 3 किलोमीटर आगे उदित नगर बड़ा गांव जर्जर मार्ग को बनवाने हेतु चर्चा के दौरान उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया कि पूर्व में लोक निर्माण विभाग द्वारा 49 करोड़ का आगमन प्रस्तुत किया गया था जिस पर गत बैठक में जिलाधिकारी महोदय द्वारा संशोधित प्रस्ताव मांगा गया था पीडी विभाग द्वारा इसका संशोधित आगमन 30 लाख का बनाकर अपने मुख्यालय को भेजा गया है लोक निर्माण विभाग के किसी प्रतिनिधि द्वारा बैठक में प्रतिभाग न किए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा अत्यंत छोभ प्रकट किया गया साथ ही अधिशासी अभियंता व सहायक अभियंता निर्माण खंड 2 का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। लालगंज में निमार्णाधीन ओ0डी0ओ0पी0 सीएफसी पर चर्चा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि इसकी पक्ष साप्ताहिक और पाक्षिक रिपोर्ट कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर उपायुक्त उद्योग उनको प्रस्तुत करें तथा इसकी टाइम लाइन के अनुसार ही निर्माण कार्य पूरा किया जाए तथा मशीनों का टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए ताकि जैसे ही निर्माण कार्य पूर्ण हो मशीन जाकर स्थापित हो जाए ।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उर्वरक प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण, अनियमितता पर 02 निलम्बित 07 को कारण बताओ नोटिस

भारत संवाद

जनपद के कृषकों को स्थानीय स्तर पर निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा दिनांक 16.07.2025 को तहसीलवार जांच टीम गठित कर समस्त निजी एवं सहकारी उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापे की कार्यवाही करायी गयी।जांच के दौरान गठित टीम द्वारा उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों पर लगे स्टॉक एवं रेट बोर्ड, पी0ओ0एस0 मशीन में उपलब्ध उर्वरक स्टॉक तथा मौके पर उपलब्ध भौतिक स्टॉक का सत्यापन, नियमित रूप से स्टॉक एवं बिक्री रजिस्टर में प्रविष्टि अंकन करने आदि के सम्बन्ध में निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के साथ-साथ विशेष रूप से सुनिश्चित कराया गया कि कृषकों को निर्धारित मूल्य से अधिक पर उर्वरकों की बिक्री न की जाये तथा किसी भी दशा में उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग न की जाये। जिला कृषि अधिकारी श्री के0के0 सिंह द्वारा बताया गया कि छापे के दौरान उर्वरक बिक्री प्रतिष्ठानों पर अनियमितता पाये जाने पर 02 उर्वरक लाईसेंस निलम्बित किये गये तथा 07 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। मे0 सुनीता ट्रेडर्स-कोरांव एवं मे0 कृष्णा खाद भण्डार-अमिलिहॉ, सिरसा, मेजा के उर्वरक बिक्री लाइसेंस अनियमिता पाये जाने पर निलम्बित किये गये तथा मेसर्स आर0आर0 एजेंसी, मे0 कुलदीप राज प्रयाग सरन, मे0 प्रभु दयाल एण्ड ब्रदर्स, मे0 देव पवन ट्रेडर्स और मे0 रामस्वरूप रमेश चंद्र (थोक उर्वरक विक्रेताओं) को उर्वरकों का रखरखाव एवं भंडारण सही प्रकार से न करने के कारण कारण बताओं नोटिस निर्गत किया गया। इसी प्रकार मे0 किशन लाल खाद भण्डार एवं मे0 अखिलेश खाद भण्डार पर अभिलेखों का रख-रखाव पूर्ण न पाये जाने पर नोटिस निर्गत की गयी। छापों के दौरान 53 बिक्री प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संदिग्ध स्टाक से 26 नमूनें ग्रहित किये गये हैं जिन्हें विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजा जायेगा। नमूनें अमानक पाये जाने की स्थिति में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, ओवररेटिंग, उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग तथा अभिलेखों का रख-रखाव सही प्रकार से न करने वाले विक्रेताओं के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत कठोरतम विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

शुभकामनायें

सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति प्रेम और हरियाली का प्रतीक हरेला पर्व

उत्तराखंड के पौराणिक लोकपर्व हरेला की शुभकामनायें

- हरियाली और नई फसल की शुरूआत का महोत्सव
- धरती से जुड़ाव और परंपराओं के सम्मान का महापर्व हरेला
- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने शिक्षिकाओं को पौधें भेंट कर एक पौधा माँ के नाम और एक धरती माँ के नाम रोपित करने का कराया संकल्प
- हरेला पर्व, प्रकृति, परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का अनुपम संगम
- हरेला पर्व वास्तव में हमारी भारतीय संस्कृति की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ जीवन और प्रकृति एक-दूसरे में समाहित हैं

भारत संवाद

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने उत्तराखंड की पौराणिक संस्कृति का लोकपर्व हरेला की देशवासियों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि हरेला पर्व, हरियाली और नई फसल के आगमन का प्रतीक है। हरेला हमें प्रेरणा देता है कि हम लौटें, धरती माँ की गोद में, पेड़ों की छाँव में, मिट्टी की महक में।यह पर्व उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरणीय चेतना और प्रकृति प्रेम का अनुपम महोत्सव है। जो जीवन में हरियाली, समृद्धि और संतुलन का संदेश देता है। हरेला का अर्थ ही है हरियाली, और यह पर्व वर्षा ऋतु के आरंभ में, श्रावण मास की संक्रांति को मनाया जाता है। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में विशेष रूप से मनाए जाने वाला यह पर्व उत्तराखंड सहित पूरे भारत में भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा है।हरेला पर्व, मातृभूमि और धरती माता के प्रति सम्मान का पर्व है। यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्स्थापित करने, धरती की उर्वरता को नमन करने और अपने पूर्वजों की परंपराओं को सम्मान देने का एक सुंदर अवसर है। इस पर्व के माध्यम से युवा पीढ़ी के लिये यह संदेश है कि हम सभी प्रकृति के अंश हैं और प्रकृति है तो ही हमारी संस्कृति व संतति हैं।हरेला के दिन घरों में सात प्रकार के अन्नों के बीजों को बोते हैं, जो नौ दिनों में अंकुरित होते हैं। इनको हरेला कहा जाता है और इन अंकुरों को सिर पर रखकर आशीर्वाद लिया जाता है। यह परंपरा हमें हमारे कृषि संस्कारों, श्रम-संस्कारों और प्रकृति के साथ आत्मीय रिश्तों का संदेश देती है।हरेला पर्व के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने शिक्षिकाओं और मातृशक्ति को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया। उन्होंने सभी को एक पौधा माँ के नाम और एक पौधा धरती माँ के नाम रोपित करने का संकल्प कराया। स्वामी जी ने कहा कि हरेला पर्व, पर्यावरण जागरूकता का आंदोलन है। यदि हर नागरिक एक-एक पौधा रोपे और उसका पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह करे, तो धरती फिर से हरी-भरी हो सकती है। हमारी संस्कृति में प्रकृति को देवता माना गया है और हरेला पर्व इस भावना को और भी सशक्त करता है। आज जब पृथ्वी पर वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की समस्या विकराल रूप ले रही है, तब हरेला जैसे प्रकृति समर्पित पर्वों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। हरेला पर्व हमें स्मरण कराता है कि प्रकृति केवल उपयोग की वस्तु नहीं है, वह हमारी माँ है। उसकी रक्षा करना हमारा धर्म है।

स्वामी जी ने कहा कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जागृत कर हम आने वाले कल को सुरक्षित और हरा-भरा कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर हरेला को हरित जीवन और हरित भविष्य की ओर एक पवित्र पहल बनाएं।

राज्य को मिली औद्योगिक रफ्तार, यूपीसीडा की मेगा ई- नीलामी में 800 करोड़ का निवेश प्रस्तावित

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) प्रदेश के औद्योगिक ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, जिससे राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। इसी विजन के तहत उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा 11 जुलाई 2025 को आयोजित मेगा ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को एक नई गति मिली है। इस नीलामी के माध्यम से राज्य को लगभग ? 800 करोड़ का प्रस्तावित निवेश प्राप्त होगा, इससे राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अधिक लोगों के लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। 83 भूखण्डों की नीलामी से औद्योगिक निवेश को मिला नया विस्तार- यूपीसीडा द्वारा आयोजित इस मेगा ई-नीलामी के तहत, उत्तर प्रदेश के 24 औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित 83 भूखण्डों (24.5 एकड़) भूमि की सफलतापूर्वक नीलामी की गई। इस नीलामी के माध्यम से राज्य को लगभग ? 800 करोड़ का प्रस्तावित निवेश प्राप्त होगा, यह ई-नीलामी निवेशकों के बीच जबरदस्त उत्साह और उत्तर प्रदेश के औद्योगिक माहौल में बढ़ते विश्वास को दशार्ती है। यूपीसीडा द्वारा आयोजित इस मेगा ई-नीलामी में प्रमुख रूप से करसियॉव (वाराणसी), एम.जी. रोड (हापुड़), बेगराजपुर (मुजफ्फरनगर), पिलखनी (सहारनपुर), बंथर (उन्नाव), बागपत, चकेरी (कानपुर), फतेहपुर, जालौन, मौनपुरी, मथूरा, बांदा और शाहजहांपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों से निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। नीलामी में भाग लेने वाले निवेशकों में नामी कंपनियों के साथ-साथ स्थानीय उद्यमी भी शामिल रहे, जो उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम है।

महिला निवेशकों की भागीदारी बनी सशक्त उत्तर प्रदेश की पहचान-

यूपीसीडा द्वारा आयोजित इस मेगा ई-निलामी में कुल 10 महिला निवेशकों ने सफलतापूर्वक भागीदारी की, जो उत्तर प्रदेश में नारी उद्यमिता और औद्योगिक नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति को दशार्ती है। विभिन्न जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई यह निवेश पहल, राज्य में नारी शक्ति मिशन के प्रभाव और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यह न केवल लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि महिलाएं अब प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षाएं प्रारंभ

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में पीएचडी कोर्स वर्क 2025 की परीक्षाएं बुधवार से प्रारंभ हो गई हैं। यह परीक्षाएं आगामी 18 जुलाई तक चलेंगी। पहले दिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुचारु परीक्षा संचालन के लिए व्यापक प्रबंध किए थे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. रविकांत एवं डायरेक्टर रिसर्च प्रो. अशोक पुरोहित ने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में बैठने की व्यवस्था, निगरानी प्रणाली तथा प्रश्नपत्र वितरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया। परीक्षा जिससे शोधार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीन रिसर्च ने बताया कि यह परीक्षाएं उन शोधार्थियों के लिए आयोजित की जा रही हैं जिन्होंने दिसंबर 2024 में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश लिया था। परीक्षा का आयोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप हो रहा है। परीक्षाओं के सुचारू संचालन पर

कुलपति प्रो. पीके दशोरा एवं कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने सभी शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा परीक्षा समिति के प्रयासों की सराहना की।

पैक्स के कम्प्यूटराईजेशन हेतु हुई जिला स्तरीय कार्यान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक

किसानों को नियमानुसार किया जाए उर्वरक वितरण: डी.एम.

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जनपद में स्थित पैक्स के कम्प्यूटराईजेशन हेतु जिला स्तरीय कार्यान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आहूत की गयी।

जनपद की प्रथम चरण में चयनित 66 बी0पैक्स में से केवल 24 पैक्स द्वारा ही वर्ष 2023-24 का कार्य पूर्ण करने पर जिलाधिकारी द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी तथा 25 जुलाई तक सम्बन्धित कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन समितियों के द्वारा वर्ष 2023-24 का रिकन्सीलिएशन आदि का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उन्हें वर्ष 2024-25 का कार्य 25 जुलाई तक पूर्ण किया जाए। द्वितीय चरण में चयनित 06 बी0पैक्स को एक सप्ताह के अन्दर वर्ष 2024-25 का संतुलन पत्र बैंक एवं विभागीय आडिट हेतु उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिये गये। इस कार्य की समीक्षा हेतु सदस्य सचिव को पुनः दिनांक 25 जुलाई में बैठक आहूत कराकर समीक्षा कराने हेतु निर्देशित किया गया तथा सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता को निर्देश दिये गये कि यदि बी0पैक्स द्वारा समयांतर्गत दिए गये निर्देशों का पालन नही किया जाता है तो आगामी समीक्षा बैठक में सम्बन्धित सचिव के स्थानान्तरण/निलम्बन से सम्बन्धित कार्यवाही भी की जा सकती है। मनीष बंसल ने कहा कि बी0पैक्स के ऐसे सचिव जिनके द्वारा इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में कार्य पूर्ण किया गया, उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र दिये जाएं। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में उर्वरक वितरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि समितियों द्वारा किसी भी स्थिति में उर्वरक बिक्री में अनियमितता एवं कालाबाजारी न होने पाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी जायेगी। सभी किसानों को शासन के निदेर्शानुसार उर्वरक वितरण किया जाये। उर्वरक बिक्री की धनराशि प्रत्येक कार्य दिवस में जिला सहकारी बैंक लि0 की शाखा में तत्काल जमा करायी जाये, जिससे जनपद में निर्वाध रूप से उर्वरक की आपर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर एआर कोआपरेटिव रवि शंकर, समिति के सदस्य एवं बी.पैक्स के सचिव उपस्थित रहे।

फास्ट ट्रैक

अलीगढ़ महानगर में 9 सितंबर तक लागू रहेगी भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम की धारा-163

अलीगढ़ (सू0वि0): श्रावण मास, कांवड़ यात्रा, रक्षाबंधन, चेहल्लुम, स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, बारावफात सहित आगामी पर्वों और विभिन्न परीक्षाओं के मद्देनजर अलीगढ़ महानगर में 9 सितंबर 2025 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम की धारा-163(2) प्रभावी कर दी गई है। यह जानकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर अमित कुमार भट्ट ने दी। उन्होंने बताया कि खुफिया एवं अन्य माध्यमों से यह संकेत मिले हैं कि त्योहारी व परीक्षा काल में कुछ असामाजिक तत्व शांति व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसी स्थिति से निपटने और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु यह प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया गया है। धारा-163 के अंतर्गत लागू प्रतिबंधों के अनुसार किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, भ्रामक या भड़काऊ सामग्री प्रकाशित करने अथवा प्रसारित करने, सार्वजनिक या धार्मिक स्थलों से उत्तेजक भाषण देने, समुदाय विशेष के विरुद्ध अपमानजनक भाषा या चित्रों के माध्यम से वैमनस्य फैलाने जैसी गतिविधियों पर पूर्णतः रोक रहेगी। शादी, पार्टी, या अन्य सार्वजनिक आयोजनों में लाइसेंसी शस्त्रों का प्रदर्शन अथवा उपयोग वर्जित रहेगा, और उल्लंघन की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी सार्वजनिक स्थान, भवन की छत, दुकान या घर पर पत्थर, बोतल, सरिया या अन्य फेंककर चोट पहुंचाने वाली वस्तुएं एवं ज्वलनशील पदार्थ एकत्र करना या रखना वर्जित रहेगा। इसी प्रकार किसी परीक्षा केन्द्र अथवा सार्वजनिक स्थान पर हथियार, आग्नेयास्त्र, तेजाब, या विस्फोटक पदार्थ लेकर जाना पूर्णतः निषिद्ध रहेगा। केवल ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को तथा दिव्यांगजनों को उनके सहारे हेतु छड़ी रखने की छूट दी गई है। सिख समुदाय के लोग म्यान में कृपाण रख सकते हैं। परीक्षा केन्द्रों के आसपास सौ मीटर की परिधि में बिना अनुमति के लाउडस्पीकर या अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। यह प्रतिबंध धार्मिक स्थलों या वैवाहिक कार्यक्रमों में परंपरागत प्रार्थनाओं पर लागू नहीं होगा। इसी तरह आतिशबाजी, पटाखे आदि का निर्माण, भंडारण, विक्रय अथवा प्रयोग बिना अनुमति के प्रतिबंधित रहेगा।

16 से 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह का होगा आयोजन

मंडलायुक्त संगीता सिंह ने जल रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार 16 जुलाई से 22 जुलाई तक श्भूजल सप्ताहश का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। शासन द्वारा भूजल सप्ताह मनाए जाने का उद्देश्य जन सामान्य में भूजल संरक्षण, प्रबंधन एवं उसके विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। इस वर्ष भूजल सप्ताह का मुख्य विषय ष्जल सुरक्षा की कुंजी, सुरक्षित जल सुरक्षाष्निर्धारित किया गया है। आयुक्त अलीगढ़ मण्डल संगीता सिंह द्वारा भूजल सप्ताह का शुभारम्भ बुधवार को आयुक्त कार्यालय से जल रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर धर्मवीर सिंह, अधीक्षण अभियन्ता एवं श्यामवीर सिंह, सहायक भू-वैज्ञानिक, भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-एक सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। जल रथ के माध्यम से जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। भूजल सप्ताह के अंतर्गत जनपद, तहसील, विकास खण्ड, नगर निकाय, विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों में निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली, स्लोगन लेखन, रैली, जल साक्षरता गोष्ठी समेत अन्य विविध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। श्यामवीर सिंह सहायक भू-वैज्ञानिक ने बताया कि बुधवार को प्राथमिक विद्यालय धनीपुर में बच्चों द्वारा जल सुरक्षा की कुंजी, सुरक्षित जल सुरक्षाह्व विषय पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए जल संरक्षण के संदेशों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया।

सरकार ने प्राथमिक विद्यालय बन्द कर किया गरीब बच्चों का शोषण: रणधीर बेनीवाल

सहारनपुर। बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल ने सहारनपुर में हुए विशेष कार्यक्रम में कहा कि सरकार द्वारा बन्द किये गए प्राथमिक विद्यालय गरीब जनता के लिए अभिशाप है, पहले ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दूर तक विद्यालय मिलते थे! बसपा सुप्रीमो आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी की सरकार में गाँव-गाँव विद्यालय बनाये गये थे जिससे गरीब बच्चों का शिक्षा स्तर बढ़ गया था!

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक में दवा व्यापारियों की समस्याओं पर की गई गहनता पूर्वक चर्चा

हॉस्पिटल्स को सीधे दवा सप्लाई करने वाली कंपनियों पर शिकंजा कसे विभाग-शैलेन्द्र सिंह टिल्लू

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़।जिला अलीगढ़ कैमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक आगरा रोड स्थित एक होटल में आयोजित हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति सुमित सर्राफ ने दीप प्रज्वलित करके इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह टिल्लू ने कहा कि सिर्फ हॉस्पिटल में दवा ही मिलती है जोकि सीधे कुछ दवा कंपनियों के द्वारा हॉस्पिटल में सप्लाई की जा रही है इसके विरुद्ध जिला अलीगढ़ कैमिस्ट एन्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन आंदोलन करेगी।शैलेन्द्र सिंह टिल्लू ने कहा कि बिना ड्रग लाइसेंस के जो दवा की दुकान चल रही हैं उन पर जिला ड्रग विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं की तो डीएम साहब को ज्ञापन दिया जाएगा।श्री टिल्लू ने कहा कि फफाला में थोक दवा व्यापारी के द्वारा सीधे मरीज को दवा बेची गई तो संस्था द्वारा ड्रग विभाग से कार्यवाही कराई जाएगी।श्री टिल्लू ने कहा कि

तहसील स्तर पर दवा व्यापारी सम्मेलन आयोजित किया जाएंगे जिसमे दवा व्यापारियों को दवा व्यापार के प्रति जागरूक किया जाएगा।महामंत्री आलोक गुप्ता ने कहा कि कोई भी नारकोटिक्स दवा व अन्य किसी भी दवा की खरीदफरोख्त से दवा व्यापारी बचें।कोषाध्यक्ष शिव शंकर शर्मा ने कहा कि ऑनलाइन दवा व्यापार से अवैध दवा व्यापार को बढ़ावा हो रहा है और इसके खिलाफ जल्द आंदोलन करेंगे।चैयरमेन राजीव जैन ने कहा कि ब्रीकेज और एक्सपायरी में कंपनियों की मनमर्जी चल रही है।इस मौके पर आमिर आबिद दिनेश गुप्ता,शरद गुप्ता,प्रवीण गोयल, शफकत अली, प्रमोद कुमार,विजय वार्ष्णेय, असलम अब्बास, पूनम सैनी, आरिफ हनीफ, मो.जावेद,आलोक प्रताप सिंह, नवेद रब्बानी,के.के.राजपूत,ऋषि शर्मा, सत्यप्रकाश शर्मा,प्रांजुल अग्रवाल, सौरभ वार्ष्णेय,सुनील सिंह ,राकेश शर्मा, गौरव सिंह, ए.के.जैन,दीपक महेश्वरी,गगन गुप्ता,हरीश सैनी,यशेठ वार्ष्णेय,जितेंद सिंह, कमल शर्मा, सत्यदेव शर्मा, गुफरान चौधरी,इरफान सिद्दीकी और नदीम अहमद आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

श्रावण शिवरात्रि 23 जुलाई बुद्धवार को

मन और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए करें महादेव का अभिषेक :- स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ ! सनातन धर्म के धार्मिक ग्रंथो में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि या मास शिवरात्रि के रूप में जाना जाता है। भगवान शिव के अनन्य भक्त प्रत्येक मासिक शिवरात्रि को व्रत रखते हैं व श्रद्धापूर्वक शिवलिंग की पूजा-अर्चना करते हैं।एक वर्ष में मुख्यतः बारह मासिक शिवरात्रि आती हैं।श्रावण माह में आने वाली शिवरात्रि को सावन शिवरात्रि या श्रावण शिवरात्रि कहते हैं। शिव पूजा के लिए सावन माह को अत्यंत शुभ और पवित्र माना गया है, श्रावण मास में शिव रात्रि का आध्यात्मिक महत्व कई गुना अधिक हो जाता है, श्रावण का पूरा महीना ही भगवान शिव को समर्पित है व उनकी पूजा करने के लिए शुभ है। अतः श्रावण महीने में आने वाली शिवरात्रि को अत्यधिक शुभ माना गया है।पूरे सावन भर श्रद्धालु देवाधिदेव शिव एवं माता पार्वती की उपासना करते हैं और जलाभिषेक और मन्त्र जाप से उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं।उक्त बातें वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे पार्थिव शिव पूजा के दौरान परमपूज्य स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने शिव भक्तो के मध्य कहीं।स्वामी जी बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 23 जुलाई 2025 बुधवार को सुबह 04:39 बजे से प्रारम्भ होगी और 23 जुलाई बुधवार को ही देर रात 02:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत 23

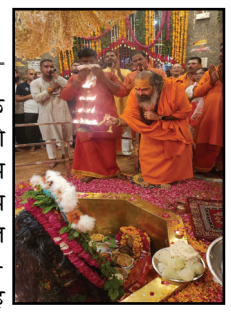

जुलाई, बुधवार को रखा जाएगा,पूजा का समय निशा काल मे 12 बजकर 07 मिनट से लेकर 12 बजकर 48 मिनट तक है।इस दिन कई मंगलकारी योग बन रहे हैं।इन योग में मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाएगी। इस शुभ अवसर पर भद्रावास योग दोपहर 03 बजकर 31 मिनट तक है। वहीं, हर्षण योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से हो रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को दोगुना फल मिलेगा।स्वामी जी के शिष्य एवं संस्थान के सचिव आचार्य गौरव शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में सावन शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।इस दिन देवों के देव महादेव और मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है।पूजा के समय भगवान शिव का जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया जाता है। भक्तजन दूध,दही,घी, शहद बूरा, फलोदक, पुष्पोदक तीर्थोदक और गंगाजल से देवों के देव महादेव का अभिषेक करते है।भक्तजन निशा काल में भगवान शिव की पूजा एवं भक्ति करते हैं। मंदिरों में भजन-कीर्तन और शिव विवाह का आयोजन किया जाता है। साधक मनचाही मुराद पाने के लिए सावन शिवरात्रि पर व्रत भी रखते हैं। यह दिन दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस दिन किया गया व्रत और पूजन वैवाहिक जीवन में प्रेम, सामंजस्य और सुख-शांति बनाए रखता है।यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं के लिए विशेष फलदायक माना जाता है।

बचपन से देख रहा हूं जलभराव, अपने कार्यकाल की गिनाई उपलब्धियां

कई बड़ी योजनाएं चल रही हैं महानगर के विकास के ओर:प्रशांत सिंघल

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़।दो साल का कार्यकाल मेयर प्रशांत सिंघल ने गिनाई उपलब्धियां और शहर में चल रही विकास योजना।मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय/आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहर के जलभराव के बारे में कहा कि मैं जबसे पैदा हुआ हूं तब से देख रहा हूं समस्या गंभीर है समाधान निकलेगा।मेयर प्रशांत सिंघल ने अपने दो साल के कार्यकाल के पूरे होने पर महानगर में कराये गये विकास कार्यों की जानकारी दी। बताया कि जल्द ही सफाई व्यवस्था के लिए काल सेंटर शुरू होगा,जिससे शिकायत पर 24 घंटे में कार्रवाई न होने पर जिम्मेदार का वेतन कटेगा।शहर में अब नए फुटपाथ नहीं बनेंगे।जलापूर्ति के लिए 40-मिनी नलकूप, 36-बड़े नलकूप, 300-हैंडपंप रिबोर, 50-नए सबमर्सिबल 60, हैंडपंपों में सबमर्सिबल लगए गये ,सिविल लाइन में सीवर

लाइन व मैनहोल की मरमत, न्यू विष्णुपुरी में नई सीवर लाइन,भुजपुरा में ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन का निर्माण, 44738-लाइटों की मरम्मत,9हजार नई लाइटें,550-सोलर लाइटें,90-हाईमास्ट लगाए गए।कई नलकूप लगाए गए हैं और इन्हें ऑटोमेशन से चलाने की व्यवस्था की गई है।दो वर्षों में सीएम ग्रिड से 11 सड़कों का निर्माण के साथ अन्य 1,450, सड़कें,पुल, लाइब्रेरी,फूड प्लाजा,वैक्सीनेशन सेंटर व एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनवाए गए।सारसौल से अग्रसेन चौक तक पौधारोपण भी शुरू होगा।शहरवासियों के लिए हमेशा मेरे यहां दरबाजे खुले जनता ह समस्या का होता है निस्तारण!

ब्लॉक गौंडा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ऐहलाद अतुर्रा की तीन इन्टर कॉलेजो का रस्ता खराब पढ़ा है खराब

छात्रों - अध्यापको में रास्ता को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला

बहादुर सिंह संवादाता गोंडा/ भारत संवाद

अलीगढ। जनपद के विकास खंड गौंडा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ऐहलाद अतुर्रा मे एक ही रास्ते पर बनी तीन तीन इन्टर कॉलेज 1, ज्ञान उदय आदर्श वावू इन्टर कॉलेज व 2,भगवान सिंह इन्टर कॉलेज व 3,आदर्श वावू इन्टर कॉलेज कमंडल पुर जो कि तीनो कॉलेजो की एक ही रास्ता है जो बरसात के कारण काफी खराब होरही है। अध्यापको का कहना है कि हमने कई बार क्षेत्रीय सांसद व विधायक प्रमुख और शासन प्रशासन को भो रास्ता को लेकर ज्ञापन भी दे चुके है लेकिन अभी

तक कोई सुन वाई नही हुई है और गांव की जनता व अध्यापकों का कहना है कि हमारी कॉलेजो का रास्ता नहीं बना तो हम कॉलेजो को बन्द कर रोड पर उतार जायेंगे और आगामी चुनाव का भी बहिष्कार भी किया जा सकते है और रास्ते को लेकर कॉलेजो के विद्यार्थी व अध्यापक स्वयं कीचड़ युक्त पानी साफ करते हुए नजर आये। यहां के विधायक, सांसद के खिलाफ मुदार्बाद के नारे भी लगाते नजर आए, और भारी आक्रोश देखने को मिला इस मोके पर प्रबन्धक ओमप्रकाश सिंह, प्रधानाचार्य रमेश चन्द, हरिकेश, रवां कान्त ,दिनेश भीकमवर गौतम,हिमांशु कुमार, अमित कुमार, भगवान सिंह, गाँव के कुलदीप सिंह, लोकेश, हवीव खां,करीब तीन दर्जन क्षेत्रीय लोग मौजूद थे।

नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का शुभारंभ

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी संख्या 22361/22362 राजेन्द्र नगर (ट.)-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ का निर्णय लिया गया है। दिनांक 18.07.2025 को गाड़ी संख्या 03261 राजेन्द्र नगर (ट.)-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी के रूप में चलेगी एवं गाड़ी संख्या 22361/22362 राजेन्द्र नगर (ट.)-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा निम्नलिखित समय सारिणी के अनुसार होगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 03261 राजेन्द्र नगर (ट.)-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष रेलगाड़ी

स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
राजेन्द्र नगर (ट.)	----	11:45
सूबेदारगंज	18:15	18:20
गोविन्दपुरी	20:50	20:55
नई दिल्ली	04:00	----

गाड़ी सं. 22361/22362 राजेन्द्र नगर (ट.)-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा

गाड़ी संख्या - 22361 राजेन्द्र नगर (ट.) - नई दिल्ली			गाड़ी संख्या - 22362 नई दिल्ली - राजेन्द्र नगर (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	19:45	राजेन्द्र नगर (ट.)	11:45	----
02:00	02:05	सूबेदारगंज	03:00	03:05
04:25	04:30	गोविन्दपुरी	00:25	00:30
13:10	----	नई दिल्ली	----	19:10

राजेन्द्र नगर (ट.) से:- गाड़ी संख्या 22361, दिनांक 31.07.2025 से प्रतिदिन।
नई दिल्ली से:- गाड़ी संख्या 22362, दिनांक 01.08.2025 से प्रतिदिन।
गाड़ी संरचना:- सामान्य श्रेणी- 11, स्लीपर- 08 एवं पेन्ट्रीकार- 01

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1255/25(A)

इको क्लब के तहत वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन

पर्यावरण की सुरक्षा ही हम सबका कर्तव्य: श्रीकांत

भारत संवाद

बरेली। मझगवां विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में इको क्लब के तहत डाइट प्रवक्ता श्रीकांत मिश्रा के नेतृत्व में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। शासन के निदेर्शानुसार प्रत्येक विद्यालय में गठित इको क्लब के तहत वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक गोष्ठी से हुई, जिसमें ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसके बाद विद्यालय प्रांगण में पाकड़ का पौधा रोपा गया। तत्पश्चात, इको क्लब की पर्यावरण जागरूकता रैली विद्यालय से शुरू होकर खंड विकास कार्यालय, बस स्टॉप, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

और पशु चिकित्सालय होते हुए वापस विद्यालय में समाप्त हुई। रैली के दौरान लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। डाइट प्रवक्ता श्रीकांत मिश्रा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है। स्वच्छ पर्यावरण, वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ जल की व्यवस्था से ही हम बीमारियों से मुक्त रह सकते हैं। इस दौरान डाइट प्रवक्ता सूर्य प्रताप सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, महेंद्र पाल, खंड विकास अधिकारी हर्षेंद्र कुमार सिंह, एआरपी सुखबीर सिंह, विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक रीति उपाध्याय, शिक्षक जयपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह, खंड विकास अधिकारी कार्यालय का स्टाफ, ग्रामीण और सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रयागराज–लालगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परसनेऊ स्टेशन पर अस्थाई ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री बालाजी दादो जी महाराज हनुमान मेला के अवसर पर यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 20403/20404, 12403/12404 लालगढ़-प्रयागराज-लालगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस का **परसनेऊ स्टेशन** पर **दो मिनट** का अस्थाई ठहराव दिये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	समय		स्टेशन पर ठहराव	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान		
12403	प्रयागराज-लालगढ़	17:38	17:40	परसनेऊ	12.08.2025
20403	प्रयागराज-लालगढ़	19:55	19:57		13.08.2025
12404	लालगढ़-प्रयागराज	09:36	09:38		13.08.2025
20404	लालगढ़-प्रयागराज	06:50	06:52		14.08.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1252/25 (ADM)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है कृष्ण कमल

12 बजे अपने आप हो जाता है बंद

इस फूल को देखकर आप भी चौंक जाएंगे. दरअसल एक ही फूल में पूरा महाभारत समेत ब्रह्मा विष्णु महेश भी समाहित है. कहा जाता है कि इसमें 108 अंग होते हैं. ऐसा कहा जाता है भगवान शिव को इस पुष्प का अर्पण करने से 108 बार का फल प्राप्त होता है...

यह फूल दिखने में काफी खूबसूरत लगता है. नीचे जो बैंगनी रंग की पंखुड़ियों को देख रहे होंगे उनकी संख्या 100 हैं जिन्हें कौरव कहा जाता है.

इस फूल के ऊपरी हिस्से में जो उजला रंग नजर आ रहा है वह बीज है जिसे पांडव कहते हैं. एक ही फूल में पूरा परिवार समाहित हैं. इसमें कुल भाग 108 होते हैं. इस फूल में कुल 108 भाग होते हैं. जिसमें 100 कौरव, 5 पांडव व तीन छोटे छोटे पिंड हैं, वह ब्रह्मा, विष्णु, महेश के प्रतीक हैं. इस फूल को कई नाम से जाना जाता है, कहीं इसे कृष्ण कमल, कौरव पांडव समेत अन्य नाम से जाना जाता है. यह दो रंग में होता है. इसके फूल बैंगनी व लाल दोनों होते हैं.

यह फूल दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है. यह पुष्प दिन के 12 बजे खुद ब खुद बंद हो जाता है. यह सबसे अधिक उत्तराखंड की घाटियों में पाया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि इस फूल से अभिषेक करने से 108 बार का फायदा मिलता है.

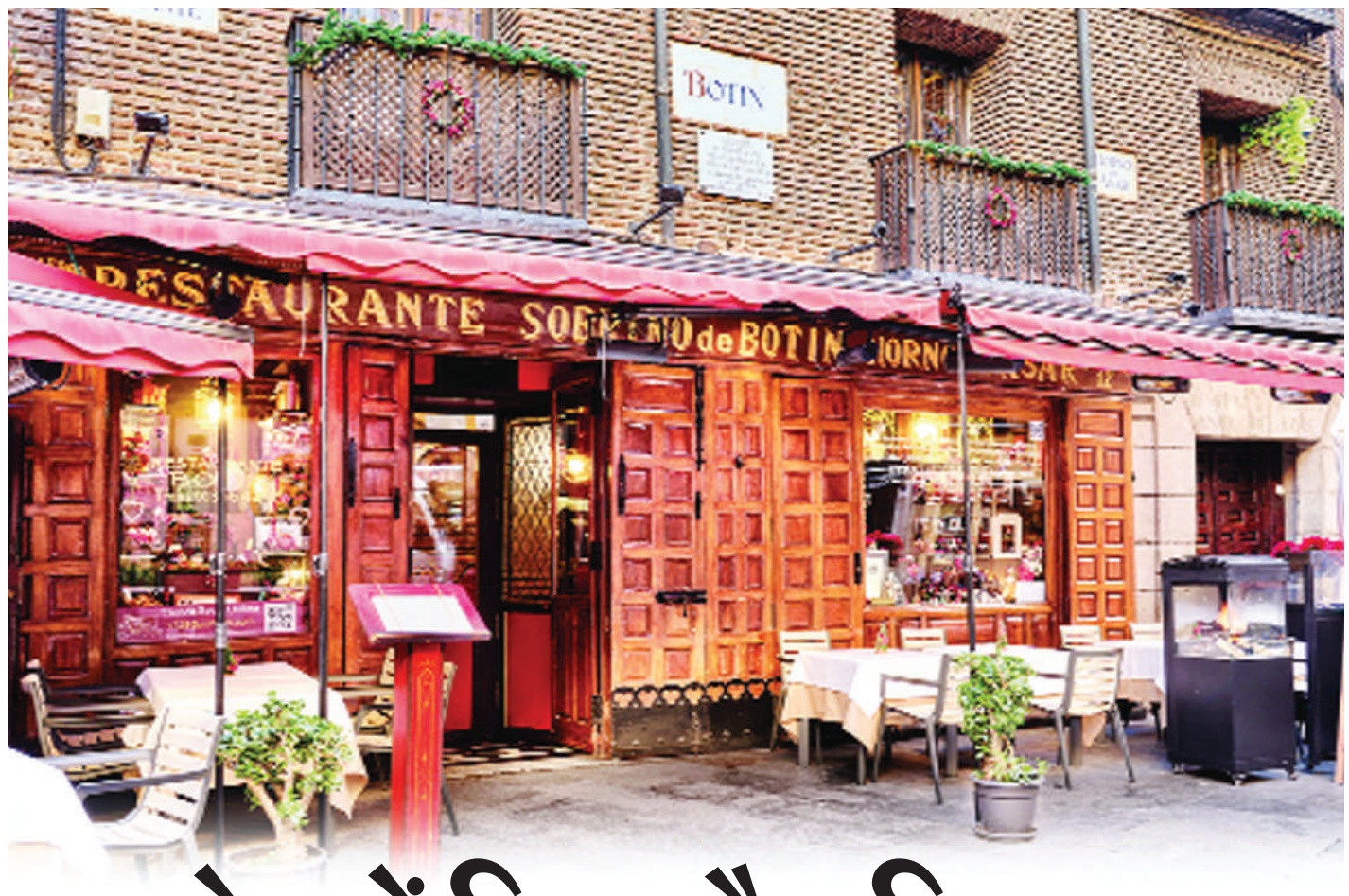

स्पेन में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना और अनोखा रेस्तरां

स्पेन एक ऐसा देश है जहां हर दिन लाखों टूरिस्ट पहुंचते हैं. यह देश अपने कल्चर, खूबसूरत लैंडस्केप, टेस्टी फूड्स, और ऐतिहासिक इमारतों के लिए फेमस है. लेकिन यहां के एक रेस्टॉरेंट की चर्चा दुनिया भर में होती है. यह अपने आप में बहुत खास है. इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है.दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां भी स्पेन में है? जी, हां स्पेन की राजधानी मैड्रिड में स्थित सोब्रिनो डी बोटिन नाम का यह रेस्तरां साल 1725 से लगातार लोगों को स्पैनिश कुजिन का स्वाद चखा रहा है. इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है.

मैड्रिड 7 स्पेन के मैड्रिड शहर में एक अनोखा रेस्तरां स्थित है। यह दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां माना जाता है। इसका नाम सोबिनो डी बोटिन है। इस रेस्तरां की शुरुआत साल 1725 में हुई थी। इसकी खास बात यह है कि यह रेस्तरां तब से लेकर आज भी उसी जगह पर संचालित किया जा रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस रेस्तरां को दुनिया का सबसे पुराना लंबे समय तक चलने वाला रेस्तरां घोषित किया हुआ है। इसकी खास बात यह है कि कोराना महामारी के भीषण दौर व स्पैनिश ग्रह युद्ध के दिनों में भी यह रेस्तरां बंद नहीं हुआ था।

1590 में बनी इमारत में हुई शुरुआत

इस रेस्तरां की शुरुआत फ्रांसिसी शेफ जीन बोटिन और उनकी पत्नी ने की थी। शुरुआत में इसका स्वरूप एक छोटी सराय या विश्राम ग्रह की तरह हुआ करता था। तब इस रेस्तरां का नाम कासा बोटिन हुआ करता था। जिस इमारत में यह रेस्तरां शुरू किया गया था, वह इमारत 1590 में तैयार हुई थी। खास बात यह है कि शुरुआत में इस रेस्तरां में किसी तरह का खाना नहीं बेचा जाता था। ठहरने के लिए आने बाले पर्यटक अपने साथ लाया खाना यहां खा सकते थे। यहां तक कि उन्हें सराय के परिसर में खाना पकाने की अनुमति भी थी। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और यह रेस्तरां के रूप में अपनी सेवाएं देने लगा।

20वीं सदी में आया इसकी ऑनरशिप में बदलाव

जीन बोटिन की कोई संतान नहीं थी। इसलिए इस रेस्तरां का संचालन साल 1753 में बोटिन के भतीजे के जिम्मे आ गया था। तब रेस्तरां का नाम बदलकर सोबिनो डी बोटिन पड़ा था, जिसका अर्थ बोटिन का भतीजा होता है। आज भी यह रेस्तरां इसी नाम से चलाया जा रहा है। 20वीं शताब्दी में इस रेस्तरां की ऑनरशिप में बड़ा बदलाव आया था। इसके इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए थे और इस रेस्तरों को गोंजालिज परिवार ने खरीद लिया था। उवज भी इसका मालिकाना हक उन्हीं के पास है। आज यह रेस्तरां चार फ्लोर पर चलाया जा रहा है। यहां 70 से ज्यादा लोग काम करते हैं और यहां 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है। बोटिन रेस्तरां अपने केस्टेलिन फूड के लिए मशहूर है। इस रेस्तरां में पुलित्जर विजेता अर्नेस्ट हेमिंग्वे के लिए एक टेबल हमेशा रिजर्व रहती है। उनका इस रेस्तरां से अच्छा लगाव था। बोटिन रेस्तरां के खाने में स्पैनिश कल्चर का हमेशा ध्यान रखा जाता है। यहां लंच करने के बाद स्थानीय लोग लंबे समय तक आपस में बात करते रहते हैं। ये उनके कल्बर का हिस्सा है। रेस्तरां सप्ताह के सातों दिन दोपहर एक बजे से रात के 11.30 बजे तक खुलता है।

टैक्स से बचने के लिए 14वीं सदी में बने थे कोन शेप्ड घर

इटली के पुगलिया शहर में कोन शेप्ड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रूली हाउसेज कहा जाता है। इन घरों को बनाए जाने के पीछे एक रोचक कहानी है। इन घरों को 14वीं शताब्दी के मध्य में स्पैनिश राजा द्वारा घरों पर लगाए गए टैक्स से बचने के मकसद से बनाया गया था। दरअसल इन घरों को ड्राय कंस्ट्रक्शन मैथड से तैयार किया गया है। इन्हें बनाने में खास पत्थरों को आपस में चूना पेस्ट से जोड़कर बनाया गया है। ऐसे में जब कभी टैक्स इंस्पेक्टर टैक्स वसूलने आया करते थे तो लोग अपनी पत्थरों से बनी छत को गिरा देते थे। जिस घर पर छत न हो उसे तकनीकी रूप से घर नहीं माना जाता था। इसलिए लोग टैक्स से बच जाते थे। इंस्पेक्टर के जाने के बाद लोग पत्थरों को जोड़कर फिर से छत तैयार कर लिया करते थे। कांक्रीट या मिट्टी के स्थान पर चूना पेस्ट व पत्थरों से बने घरों को तैयार होने में कम समय लगता है। इन घरों को संयुक्त राष्ट्र ने विश्व विरासत स्थलों की सूची में रखा है।

नीदरलैंड्स में है दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित द्वीप

नीदरलैंड्स का फ्लेवोपोल्डर आइलैंड दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित आइलैंड है। यह आइलैंड करीब 1000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस आइलैंड का निर्माण साल 1916 में शुरू हुआ था और 1986 तक चला। इस आइलैंड को बनाने के लिए साल 1932 में एक डैम का निर्माण भी करना पड़ा। लोगों को रहने की जगह और कृषि भूमि मुहैया कराने के मकसद से इसे बनाने की शुरुआत हुई थी। आज इस द्वीप पर 4 लाख लोग निवास करते हैं।

इस वजह से गोल ही होता है कुआं

दुनिया में कई चीजे कई सालों से चली आ रही होती है. वह ऐसी क्यों होती है अक्सर हमें इस बारे में नहीं मालूम होता. जैसे किसी चीज का साइज या शेप उस तरह से क्यों है जैसा है. क्या उसके वैसे होने में कोई ठोस कारण छुपा हुआ है. जैसे अक्सर लोग सवाल पूछते हैं. पृथ्वी गोल क्यों होती है. चांद गोल क्यों नजर आता है. और भी तरह के सवाल. ऐसे ही लोगों के मन में एक सवाल आता है. चलिए पृथ्वी और चांद का शेप तो इंसान बस में नहीं था. लेकिन कुएं का निर्माण तो इंसान ने किया था. उसका शेप गोल क्यों किया गया.

कुएं को जब बनाया जाता है तो जमीन भर गड्ढा करके बनाया जाता है. गोल शेप में गड्ढा करना हमेशा से आसान रहा है. बजा है स्क्वायर शेप में करने के. जब हम ड्रिल मशीन से घर में छेद करते हैं आपने देखा होगा वह छेद गोल शेप में होते हैं. ऐसे ही जब कुएं की ड्रिलिंग की जाती है. तब उसकी शेप भी गोल हो जाता है. दूसरी वजह यह है कि अगर कुएं को स्क्वायर शेप में बनाया गया. तो कुएं के अंदर मौजूद पानी उसके चारों कोनों में प्रेशर अप्लाई करेगा. जिससे कुआं कमजोर हो सकता है और इसकी दीवारें कमजोर हो सकती है. कुओं के गोल होने के चलते पानी दीवारों पर प्रेशर ज्यादा अप्लाई नहीं कर पाता. जिस वजह से कुएं काफी समय तक चलते हैं.

लिक्विड भरने के सभी बर्तन होते हैं गोल

पानी लिक्विड होता है और घरों में पानी भरने के जो भी बर्तन होते हैं. अगर आपने गौर किया होगा तो सब का शेप गोल होता है. जिसमें गिलास, कटोरी, प्लेट, खाली, बाल्टी सब गोल होते है. यहां भी वही नियम है अगर इनका शेप स्क्वायर यानी चौकोर होगा तो कोने खराब होने का चांस ज्यादा रहता है. कुआं गोल होता है तो उसकी मिट्टी भी काफी समय तक अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखती है. चौकोर कुएं की मिट्टी कोनों से धंसने लगती है.

नाटो की भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी

कहा- इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

एजेंसी

ब्रसेल्स, नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100% सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के

अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके। सेकेंडरी प्रतिबंध उन देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं जो सीधे प्रतिबंधित देश पर नहीं, लेकिन उसके साथ व्यापार करने वाले देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं। इसे आसान भाषा में ऐसे समझिए कि जैसे अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा है। अगर अब भारत की कोई कंपनी ईरान से तेल खरीदती है, तो अमेरिका कह सकता है कि भारत की कंपनी ने हमारे प्रतिबंधों की अनदेखी की है, ऐसे में हम उन्हें सजा देंगे। अमेरिका, ईरान से व्यापार करने वाली कंपनी को अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम से निकाल सकती है, जुमार्ना लगा सकती है या व्यापार पर रोक लगा सकती है। इसका असर ये होता है कि सेकेंडरी प्रतिबंध के डर के कारण बहुत सी कंपनियां ऐसे देशों से व्यापार करने से बचने लगती हैं। दो दिन पहले ट्रम्प ने रूस पर 100% टैरिफ की धमकी दी ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा। भारत रूस से कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है। अगर सेकेंडरी प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत पर इसके बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय महिला पर चोरी का आरोप

बिना पेमेंट 1 लाख का सामान लेकर निकल रही थी, बोली- मैं यहां की नागरिक नहीं हूं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के इलिनॉय में एक भारतीय महिला पर सुपरमार्केट स्टोर से 1 लाख से ज्यादा का सामान चोरी करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, महिला ने स्टोर में सात घंटे बिताए और बिना भुगतान किए सामान के साथ बाहर निकलने की कोशिश की। यह घटना 1 मई 2025 को हुई थी। अब सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। महिला का नाम अनाया अवलानी बताया जा रहा है। स्टोर के कर्मचारियों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को बुलाया। पुलिस को रिश्वत देने की कोशिश की

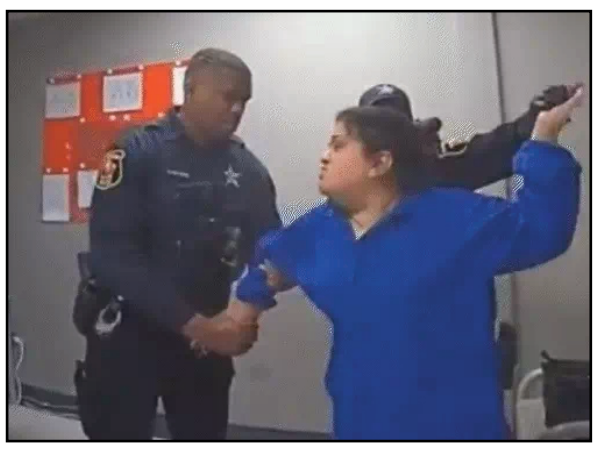

स्टोर के एक कर्मचारी ने बताया कि महिला काफी देर से स्टोर में मौजूद थी और बिना किसी मकसद के इधर-उधर घूम रही थी। उसे यह भी देखा गया कि वह बार-बार सामान उठाकर टोकरी में रखती, फिर हटाती और दूसरी जगह जाती रही। अंत में वह बिना भुगतान किए गेट से बाहर निकलने की कोशिश करने लगी। स्टाफ ने तुरंत सुरक्षा अलर्ट जारी किया और पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि जब पुलिस ने महिला को रोका तो उसने पैसे देकर मामला रफा-दफा करने की कोशिश की। कथित तौर पर उसने अधिकारियों को रिश्वत देकर छोड़ देने का प्रस्ताव दिया। महिला ने अपनी सफाई में कहा, अगर मैंने आपको किसी तरह की परेशानी दी हो तो मैं माफी चाहती हूं। मैं इस देश की नागरिक नहीं हूं और मुझे यहां रुकना भी नहीं है। मैं सभी सामान का भुगतान करने को तैयार हूं। इस पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने सख्त लहजे में जवाब दिया, क्या भारत में चोरी की अनुमति है? मुझे ऐसा नहीं लगता। इसके बाद पुलिस ने बिल जांच की तो पाया कि महिला ने सच में पेमेंट नहीं किया था। इसके आधार पर उसे वहीं हथकड़ी पहनाई गई और पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां औपचारिक प्रक्रिया शुरू की गई। महिला पर फेलोनी यानी गंभीर अपराध के तहत केस दर्ज किया जा रहा है।

हालांकि अभी तक औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उस पर आरोप तय किए जाएंगे। हालांकि, उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन गंभीर अपराध के आरोप लगने की संभावना है।

गाजा में फूड सेंटर पर भगदड़, 43 की मौत

खाना लेने के दौरान अब तक 870 फिलिस्तीनी मारे गए; इजराइली सेना पर नरसंहार का आरोप

एजेंसी

गाजा, गाजा के खान यूनिस में बुधवार को एक फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर 43 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 21 लोग खाना लेने की कोशिश में मारे गए, जबकि 15 लोगों की मौत भगदड़ में कुचल कर हुई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हादसा गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) सेंटर पर हुआ। मंत्रालय ने इजराइली सेना और अमेरिका पर जानबूझकर भूखे लोगों का नरसंहार करने का आरोप लगाया। जीएचएफ ने भी अब तक 20 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की है, लेकिन इसके लिए हमास से जुड़े लोगों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। यूएन इन जीएचएफ सेंटर्स को मौत का जाल करार दे चुका है। मई के अंत से अब तक इन सेंटर्स पर या आसपास 870 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस (जीएमओ) ने पिछले महीने इजराइली आर्मी पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप लगाया था। जीएमओ का कहना था कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने फिलिस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें ऑक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। जीएचएफ को इजराइली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। जीएमओ ने कहा था कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजराइल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए युद्ध के बाद से इजराइली हमलों में गाजा के 58,573 लोग मारे गए हैं और 1,39,607 अन्य घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 94 लोगों की मौत हुई है और 252 घायल हुए। 18 मार्च के बाद से अब तक 7,750 लोग मारे गए हैं और 27,566 घायल हुए हैं। गाजा में जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक अगर इजराइल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। गाजा के मीडिया कार्यालय ने इजराइल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी से फिलिस्तीनी आबादी खाली करने की साजिश रच रहा है। ऑफिस ने कहा कि इजराइली सेना जबरन बेदखली, बमबारी और सहायता रोककर गाजा को तबाह कर रही है। यह नरसंहार और नस्लीय सफाई है। इजराइल की कार्रवाइयों में अब तक 56,331 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

जीएमओ ने दावा किया था कि गाजा का 70% से ज्यादा बिल्डिंग्स तबाह हो चुकी हैं और 19 लाख लोग (85% आबादी) अपने घरों से बेघर हो गए हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार को पूर्व पति ने पीटा, आंख में सूजन

पत्रकार बोलीं- जालिम इंसान ने जिंदगी बर्बाद की, इंसाफ अल्लाह पर छोड़ती हूं

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तानी पत्रकार और टीवी एंकर जस्मीन मंजूर ने अपने पूर्व पति पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाया है। बुधवार को उन्होंने पर अपनी चोट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें उनके चेहरे पर चोट और सूजन दिख रही थी। जस्मीन ने दावा किया कि उनके पति ने उनके साथ मारपीट की है। जस्मीन ने एक पोस्ट में लिखा- यह मैं हूं। हां, यह मेरी कहानी है - मेरी जिंदगी एक जालिम इंसान ने बर्बाद कर दी। मैं अपना इंसाफ

अल्लाह पर छोड़ती हूं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा- यह मेरे पूर्व पति की देन है। मैं लंबे समय तक सोचती रही कि क्या मुझे यह बात सार्वजनिक करनी चाहिए। लेकिन मैं हिम्मत दिखाना चाहती हूं ताकि हम सब मिलकर इस तरह के व्यवहार के खिलाफ एकजुट हों और सरकारी अधिकारी अपनी आंखें खोलें। जस्मीन ने आगे लिखा- यह किसी के भी साथ हो सकता है। घर के अंदर भी कोई सुरक्षित नहीं है। सबसे खतरनाक लोग वही हैं, जिन पर आप आंख मूंदकर भरोसा करते हैं। उन्होंने अपने पूर्व पति को डरपोक बताते हुए कहा कि जब आपको एक महिला मिलती है, तब आप अपना असली रंग दिखाते हैं। आप बस एक डरपोक हैं। कुछ लोग हमेशा नफरत करते हैं, लेकिन उन्हें कोई इल्जाम नहीं दिया जाना चाहिए, यह उनकी जिंदगी की नाकामी है। मेरे पास ऐसी 50 और तस्वीरें हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के बाद कई लोग खुलकर जस्मीन के सपोर्ट में आ गए। एक यूजर ने लिखा- घरेलू हिंसा हमारे समाज पर एक दाग है। एक अन्य ने कहा, पाकिस्तान में आप कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। एक यूजर ने लिखा- अपने एक्सपीरियंस को शेयर करना बहुत हिम्मत का काम है, आप इस लड़ाई में अकेली नहीं हैं। आपके लिए ढेर सारी दुआएं।

दिग्विजय सिंह ने कांवड़ और नमाज में फर्क करने का लगाया आरोप

शेयर की विवादित तस्वीर, बीजेपी ने कह दिया 'मौलाना'

दिग्विजय सिंह द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दिखाया गया है कि कांवड़ यात्रा के कारण एक सड़क को अवरुद्ध किया गया है, और दूसरी तस्वीर में दिखाया गया है कि नमाज अदा कर रहे मुसलमानों को पुलिस द्वारा लात मारी जा रही है।

एजेंसी

सावन के महीने की शुरूआत के साथ ही देशभर में कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। कांवड़ यात्रा को लेकर अलग-अलग राज्यों में सरकार की ओर से कई इंतजाम किए गए हैं। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर कर कांवड़ यात्रा को लेकर बयान जारी किया है। दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों के लिए सड़कें जाम करने पर सवाल उठाए। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'एक देश, दो विधान। दिग्विजय सिंह द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दिखाया गया है कि कांवड़ यात्रा के कारण एक सड़क को अवरुद्ध किया गया है, और दूसरी तस्वीर में दिखाया गया है कि नमाज अदा कर रहे मुसलमानों को पुलिस द्वारा लात मारी जा रही है। इस पोस्ट की भाजपा ने तीखी आलोचना की है। भाजपा नेता विश्वास सारंग ने दिग्विजय सिंह के इस बयान पर पलटवार करते हुए उन्हें मौलाना विश्वास सारंग बताया है। उन्होंने कहा कि मौलाना दिग्विजय सिंह केवल सनातन का विरोध करते हैं और कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र पर्व को विवादास्पद बनाना चाहते हैं। मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मौलाना दिग्विजय सिंह केवल सनातन धर्म का विरोध करते हैं। वह कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र त्योहारों को लेकर भी विवाद पैदा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनसे इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं की जा सकती। वही दिग्विजय सिंह जो जाकिर नाइक का महिमामंडन करते हैं, आतंकवादियों को बचाने की बात करते हैं, सेना के हर ऑपरेशन पर सवाल उठाते हैं और पाकिस्तान समर्थक भावनाओं को बढ़ावा देते हैं, तुष्टिकरण की राजनीति करते रहते हैं... इसीलिए लोग उन्हें 'मौलाना दिग्विजय सिंह' कहते हैं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने हमेशा हिंदू धर्म, हिंदू अनुयायियों, हिंदू संतों और हिंदू त्योहारों का अपमान किया है। विश्वास सारंग ने कहा कि मैं दिग्विजय सिंह से कहना चाहता हूँ कि अगर हिंदू और सनातन धर्म के किसी भी त्योहार पर ऐसी टिप्पणी की गई, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिग्विजय सिंह को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। गौरतलब है कि इस महीने में पूरे देश में कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है।

'कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते'

सीडीएस बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

एजेंसी

नई दिल्ली, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके।

सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सीडीएस (अनमैंड एरियल व्हीकल) और उ-वअर (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

सीडीएस बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। 3 जून को कहा था- ढअङ की प्लानिंग 8 घंटे में फेल हुई उऊर जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में 'भविष्य के युद्ध और युद्ध' विषय पर लेक्चर में कहा था, '10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।'उन्होंने कहा था कि पहलगाम में जो कुछ हुआ, उससे कुछ हफ्ते पहले ही पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। पहलगाम में जो हुआ, वह क्रूरता थी। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना था।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले

पीएम मोदी को लेटर लिखा; कहा- मानसून सत्र में बिल लाया जाए

राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी।

एजेंसी

नई दिल्ली, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35अ हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे। राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे।

आईएसएस से ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की वापसी पर मंत्रिमंडल का संकल्प

भारत आने वाले समय में गगनयान मिशन के जरिए और भी बड़े लक्ष्यों की ओर देख रहा है। हमने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का संकल्प भी लिया है। शुभांशु शुक्ला के मिशन की इस सफलता ने भारत को अपने इन लक्ष्यों के एक कदम और करीब पहुंचा दिया है।

आज मंत्रिमंडल कई महत्वपूर्ण विषयों के साथ देश की एक महान उपलब्धि से जुड़ी देश की भावना को अभिव्यक्त कर रही है।

एजेंसी

15 जुलाई को भारत की अनंत आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अन्तरिक्ष यात्रा से सकुशल धरती पर लौटे हैं। ये समूचे देश के लिए गर्व, गौरव और उल्लास का अवसर है। आज मंत्रिमंडल, देश के साथ मिलकर, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने का अभिनंदन करता है। उन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 18 दिन का ऐतिहासिक मिशन पूरा किया। ये मिशन 25 जून 2025 को लॉन्च हुआ था, जिसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मिशन पायलट के रूप में शामिल हुए।

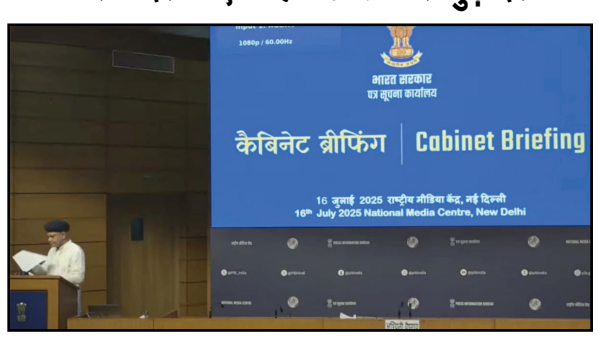

इस मिशन के जरिए पहली बार कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गया। ये भारत के स्पेस प्रोग्राम का एक नया अध्याय है। ये अन्तरिक्ष में भारत की एक बड़ी उड़ान है, एवं हमारे स्पेस प्रोग्राम के भविष्य की स्वर्णिम झलक देता है। मंत्रिमंडल इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए करफड के साथ वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता है। उनकी निष्ठा, तपस्या और परिश्रम ने इस सपने को साकार किया। करर पर रहते हुए ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने 73 के सदस्यों के साथ मिलकर अनेक प्रयोग किए। ये इंटरनेशनल स्पेस को ऑपरेशन में भारत की बढ़ती लीडरशिप भूमिका का प्रमाण है। उन्होंने माइक्रोग्रैविटी से जुड़े कई प्रयोग किए। शैवाल एवं सूक्ष्मजीवों की ग्रोथ और अंतरिक्ष में फसलों की क्षमता से जुड़े वैज्ञानिक अनुसंधान इसमें शामिल थे। इस मिशन में माइक्रोब्स के जीवन की संभावनाएं और इंसान की सोचने-समझने की क्षमता पर अंतरिक्ष के असर का अध्ययन भी हुआ। सायनोबैक्टीरिया जैसे जीवों के व्यवहार जैसे कई अहम विषयों पर काम किया गया। इन प्रयोगों से अंतरिक्ष में मानव जीवन को लेकर समझ और गहरी होगी, माइक्रोग्रैविटी साइंस में हम आगे बढ़ेंगे। भारत आने वाले समय में गगनयान मिशन के जरिए और भी बड़े लक्ष्यों की ओर देख रहा है। हमने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का संकल्प भी लिया है।